दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। शनिवार 13 दिसम्बर-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 355 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

अमित शाह ने अंडमान-निकोबार को बताया 'तपोभूमि'

बोले- सावरकर ने अपने जीवन के कठिन वर्ष यहीं बिताए

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वातंत्र्यवीर सावरकर के 'सागरा प्राण तळमळला' गीत के 115 वर्ष पूर्ण होने पर अंडमान और निकोबार के श्री विजयपुरम में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। अमित शाह ने इस दौरान कहा कि अंडमान और निकोबार सिर्फ द्वीपों की एक श्रृंखला नहीं है। यह असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान, समर्पण और देशभक्ति से बनी एक 'तपोभूमि' है।

'यहां कोई अपनी मर्जी से नहीं आता था' :अमित शाह

सावरकर की कविता 115 वर्ष पूरे होने पर गृह मंत्री ने कहा, 'हम सब एक पवित्र भूमि पर एकत्रित हुए हैं। स्वतंत्रता से पहले, कोई भी यहां अपनी मर्जी से नहीं आता था। जिन्हें भी यहां लाया जाता था, उनका परिवार उन्हें भूल जाता था। उस दौर में, कोई यह नहीं सोचता था कि 'काला पानी' में सजा काटने के बाद कोई वापस लौट भी सकता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'जब तक वे लौटते, उनका शरीर, मन और आत्मा इतनी कमजोर हो जाती थी कि वे कभी पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाते थे। लेकिन आज, यह सभी भारतीयों के लिए एक तीर्थस्थल है क्योंकि वीर सावरकर ने अपने जीवन के सबसे कठिन वर्ष यहीं बिताए।' अमित शाह ने कहा, 'यहां कई लोगों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। मैंने सेलुलर जेल के रिकॉर्ड का गहन अध्ययन किया है; केवल दो ही ऐसे प्रांत हैं जिनके स्वतंत्रता सेनानियों को यहां फांसी नहीं दी गई।'

अंडमान-निकोबार में वीर सावरकर की आदमकद प्रतिमा का लोकार्पण

उन्होंने कहा, 'यह एक बहुत बड़ा अवसर है। इस 'तपोभूमि' पर वीर सावरकर की आदमकद प्रतिमा का लोकार्पण मोहन भागवत ने किया, जो उस संगठन के सरसंघचालक हैं जो सही मायने में सावरकर की विचारधारा को आगे बढ़ा रहा है। यह एक पवित्र भूमि है, वीर सावरकर की प्रतिमा भी पवित्र है और मोहन भागवत के हाथों से इसका अनावरण और भी श्रेष्ठ है।' उन्होंने कहा, 'जब आजाद हिंद फौज ने भारत को आजाद कराने का प्रयास किया तो सबसे पहले अंडमान-निकोबार को ही आजाद कराया। यहां सुभाष चंद्र बोस दो दिन तक रुके थे। उन्होंने कहा कि बोस ने ही इन दोनों द्वीपों को शहीद और स्वराज नाम देने का सुझाव दिया था। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जमीन पर उतारा।'

सभी मतदाता करें एसआईआर अभियान में अपनी भागिदारी : सुनील शर्मा

प्रत्येक व्यक्ति को होनी चाहिए फार्म 6 की भी जानकारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एसआईआर अभियान को लेकर साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा पूरी तरह जागरूक हैं, वो कैबिनेट मंत्री हैं और उन्होंने पहले भी सोशल मीडिया पर वीडियो के जरिये ये अपील सब लोगों से की थी कि वो एसआईआर फार्म भरें और उसमें जानकारी दें और बीएसओ को ये फार्म लौटायें। विधायक सुनील शर्मा एक बार फिर मैदान में हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा महोत्सव होता है। हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और ये हमारी जिम्मेदारी भी बनती है कि हम लोगों को देश के नागरिकों को मतदान का हिस्सा बनने के लिए जागरूक करें। ये तभी संभव है जब लोगों को ये जानकारी हो कि वो मतदात सूचि में किस तरह से दर्ज होंगे।

सुनील शर्मा ने कहा कि मतदाता पुनरिक्षण अभियान किसी दल विशेष का नहीं बल्कि चुनाव आयोग का अभियान है। मतदान का अधिकार देश के प्रत्येक नागरिक को है। और एक जागरूक नागरिक होने के नात ये मेरी ही नहीं बल्कि सबकी ये जिम्मेदारी है कि हम लोगों को जागरूक करें। उन्हें बताये कि वो अपना वोट बनवायें। जिन लोगों का वोट नहीं बना है उन लोगों को भी इस बात के लिए प्रेरित किया जा रहा है कि वो अपने बीएलओ से सम्पर्क करें। फार्म 6 लें और उसे भरें। जिस भी मतदाता का एसआईआर फार्म नहीं भरा गया है और वो मतदाता बालिग है तो उस मतदाता को फार्म 6 भरना चाहिए। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जो भी व्यक्ति जहां भी निवास कर रहा है उसे वहीं फार्म 6 भरकर अपने मतदाता अधिकार को सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वोट आपका अधिकार है और देश के नागरिकों को जागरूक करना हमारा कर्तव्य है।

14 दिसंबर को भाजपा घोषित करेगी नया प्रदेश अध्यक्ष, चुनाव कार्यक्रम जारी

नामांकन 13 को, सूची प्रकाशन 12 को, तीन दिन चलेगी पूरी प्रक्रिया

गाजियाबाद करंट क्राइम। भाजपा उत्तर प्रदेश ने प्रदेश अध्यक्ष चुनाव 2025 का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है, जिसके अनुसार 14 दिसंबर को दोपहर 1 बजे नया प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया जाएगा। इसके साथ ही राष्ट्रीय परिषद सदस्यों के चयन की औपचारिक घोषणा भी इसी दिन की जाएगी।

चुनावी प्रक्रिया 12 दिसंबर से शुरू होगी, जब दोपहर 12 बजे प्रदेश परिषद सदस्य सूची का प्रकाशन किया जाएगा और प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय परिषद सदस्यों के चुनाव कार्यक्रम का प्रेषण होगा। इसके बाद 13 दिसंबर को दोपहर 2 से 3 बजे तक प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय परिषद सदस्य पद के नामांकन दाखिल किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच दोपहर 3 से शाम 4 बजे तक होगी, जबकि शाम 4 से 5 बजे तक नामांकन वापसी की समयसीमा तय की गई है।

14 दिसंबर को अंतिम घोषणा की जाएगी और यदि मतदान की आवश्यकता हुई तो मतदान भी इसी दिन सम्पन्न कराया जाएगा। चुनाव कार्यक्रम की प्रतिलिपि राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी, केंद्रीय चुनाव प्रभारी, प्रदेश सह-प्रभारी और संगठन से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारियों को भेजी गई है। दस्तावेज पर प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय के हस्ताक्षर मौजूद हैं, जो पूरी प्रक्रिया की आधिकारिक पुष्टि करते हैं।

एसआईआर अभियान के फार्म ने बढ़ा दी है लोगों की टेंशन

अगर 2002-2003 की नहीं दी है जानकारी तो फार्म माना जायेगा अधूरा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एसआई आर अभियान को लेकर हर कोई टेंशन में दिखाई दे रहा है। भाजपा की बैठकें हुई तो वहां टेंशन इस बात को लेकर थी कि मतदाता सूचि का काम केवल 50 प्रतिशत हुआ है। फार्म लौटकर नहीं आये हैं। इसके बाद बताते हैं कि अभियान की तिथि बढ़ाई गयी है लेकिन अब बीएलओ की एक नयी घोषणा ने फिर से मतदाताओं की टेंशन बढ़ा दी है ।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ये कहा था कि अगर 2002-2003 की जानकारी नहीं है तो उसे छोड़ दें और अन्य जानकारी दें तो भी फार्म पूरा माना जायेगा।

मगर बीएलओ ये कह रहे हैं कि अगर 2002-2003 की कोई जानकारी आपने बीएलओ को नहीं दी है तो आपका फार्मा अधूरा माना जायेगा। चुनाव आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची के निर्माण के लिए विशेष गहन पुनरिक्षण अभियान का कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

अब इस अभियान को आगे बढ़ाया गया है और अब बीएलओ ने ये नयी जानकारी दी है कि यदि आपकी उम्र 40 वर्ष से अधिक है और आप स्वयं मतदाता के रूप में रजिस्टर्ड थे तो अपने गांव, शहर , विधानसभा, निर्वाचन क्षेत्र की जानकारी दें और यदि आपकी उम्र 40 वर्ष से कम है तो अपने माता-पिता, दादा-दादी की जानकारी

शनिवार और रविवार यानी 13 और 14 दिसम्बर को अपने अपने बूथ पर जाकर अपने बीएलओ को दें और अपने फार्म को अपडेट करवायें। बीएलओ ने स्पष्ट कर दिया है कि पहले ही मतदाता सूची में शामिल व्यक्तियों का फार्म भरा जा चुका है। परन्तु उस फार्म में यदि आपने 2002-2003 की कोई जानकारी अपने बीएलओ को नहीं दी है तो आपका फार्म अधूरा है।

भाजपा के पूर्व मेयर ने कहा: रोहिंग्याओं को पकड़ते ही कर दो उनकी नसबंदी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सोशल मीडिया एक ऐसा प्लेटफार्म बन चुका है जहां कोई भी अपनी बात किसी भी तरीके से रख सकता है। राजनीति के लोग अपनी बात का यहां मुखरता से रखते हैं और एक फ्रेम वर्क के तहत रखते हैं। सभी को अधिकार है और इस पोस्ट के जरिये ही पता चलता है कि नेता की विचारधारा क्या है और वो क्या कहना चाहते हैं।

सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वालों में गाजियाबाद के पूर्व मेयर अशु वर्मा भी हैं। अशु वर्मा पुराने भाजपाई हैं और युवा मोर्चा से लेकर गाजियाबाद के मेयर होने का सफर तय किया है। फिलहाल वो वेटिंग लिस्ट वाले कॉलम में चल रहे हैं और अकसर वो सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट के जरिये आते हैं। सावन के महीने में वो हर रोज लोगों का शिवालय जाना याद दिलाते हैं। पोतों के जन्मदिन से लेकर माता पिता की मैरिज एनिवर्सरी को फेसबुक पर साझा करते हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि मिलनसार स्वभाव के मालिक अशु वर्मा राजनीति और सामाजिक मुद्दों को लेकर भी फेसबुक पर आते हैं। ये एक उनकी कार्यशैली है जिसमें वो उपलब्ध कराये गये प्लेटफार्म पर अपने विचारों को साझा करते हैं।

पूर्व मेयर अशु वर्मा ने एक पोस्ट सोशल मीडिया पर अपलोड की और इसके बाद इस पोस्ट पर चर्चा होने लगी। दरअसल पूर्व मेयर ने अपनी पोस्ट के जरिये पहले तो अवैध रूप से भारत में रह रहे

रोहिंग्या और बांगलादेशी घुसपैठियों को लेकर चिंता जताई और फिर उन्होंने इसका ईलाज भी बता दिया। पूर्व मेयर की ये पोस्ट चर्चा में रही।

पूर्व मेयर अशु वर्मा ने लिखा कि जैसे ही कोई बांगलादेशी घुसपैठिया या रोहिंग्या पकड़ा जाये तो उसे पकड़ते ही सबसे पहले उसकी नसबंदी करो। पूर्व मेयर अपनी पोस्ट के जरिये शायद कोई नया फार्मुला लेकर आये हैं। क्योंकि पुराना फार्मुला तो ये है कि अगर रोहिंग्या या बांगलादेशी घुसपैठिये पकड़ लिये जायें तो पहले उन पर कानूनी कार्यवाही होगी और उसके बाद उन्हें उनके मूल स्थान उनके देश में भेजा जायेगा।

लेकिन पूर्व मेयर ने जो डिमांड की वो अवैध रूप से भारत में रह रहे बांगलादेशियों के लिए एक तरह का रिमांड है। उन्होंने ये डिमांड नहीं की कि उन्हें तत्काल प्रभाव से सीमा के उस पार भेजा जाये और ये पता लगाया जाये कि ये लोग किस तरह से भारत की सीमा में प्रवेश कर गये। ये पता लगाया जाये कि ये अवैध घुसपैठिये भारत में रह रहे थे तो किसने इन्हें रहने के लिए स्थान उपलब्ध कराया, किसने रोजगार उपलब्ध कराया और क्या पुलिस को इनकी अवैध घुसपैठ की भनक थी या नहीं।

इन सब बातों से इतर जाकर पूर्व मेयर अशु वर्मा ने तो सीधे सीधे नसबंदी की मांग की और अपनी मांग को लेकर वो फेस बुक पर आ गये। उन्होंने फेसबुक पर अपनी मांग को लिखा। अब उनकी इस पोस्ट पर किसने क्या लिखा ये लिखने वाले जाने लेकिन सियासत वाले ये पूछ रहे हैं कि आखिर पूर्व मेयर अशु वर्मा ने अपनी पोस्ट पर ऐसा क्यों लिखा। क्या इनकी नसबंदी ने अवैध घुसपैठ की समस्या का कोई समाधान है। यदि उत्तर हां में है तो फिर ये समाधान शासन को, सरकार को, प्रशासन को भी भेजा जाना चाहिए।

मोदीनगर में बुजुर्ग की हत्या और बीएलओ की मौत पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का हमला

कहा-यूपी में जंगलराज कायम, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने पीड़ित परिवारों से मिलकर की निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग

गाजियाबाद करंट क्राइम। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार राय ने 12 दिसंबर 2025 को मोदीनगर क्षेत्र का दौरा किया। हाल के दिनों में बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि प्रदेश में जंगलराज मचा है और बुलडोजर वाले बाबा किसी अन्य काम में व्यस्त नजर आ रहे हैं।

सुबह 8:30 बजे मोदीनगर में एक बुजुर्ग सुनार, स्वर्गीय गिरधारी लाल सोनी (80-82 वर्ष) की मिर्ची की फुंकी मारकर और चाकू से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी गई। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा परिवार से मिले और शोक व्यक्त किया। अजय राय ने निष्पक्ष जांच और दोषियों को कठोर सजा—यहां तक कि मृत्युदंड—की मांग की।

इसी दौरान वे उस बीएलओ के घर भी पहुंचे, जिनकी ड्यूटी मोदीनगर से दूर साहिबाबाद क्षेत्र में लगाई गई थी। अत्यधिक दबाव और मानसिक प्रताड़ना के चलते उनकी मृत्यु हो गई। कांग्रेस नेताओं ने इसे प्रशासनिक लापरवाही बताते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे। अजय राय के साथ जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा, बृजेश सेन, सुनील शर्मा और जिला कमेटी के पदाधिकारी दोनों स्थानों पर पहुंचे और संवेदना व्यक्त की।

प्रमुख बॉक्स — अजय राय ने उठाए तीन बड़े सवाल

करंट क्राइम। अजय राय ने कहा कि अगर प्रदेश में कानून व्यवस्था सही है तो एक बुजुर्ग को दिनदहाड़े मिर्ची फुंकी मारकर चाकू से क्यों मार दिया गया, एक बीएलओ को ड्यूटी के नाम पर मानसिक प्रताड़ना क्यों दी गई, और सरकार ऐसे मामलों में कार्रवाई के बजाय चुप क्यों बैठी है। उन्होंने कहा कि जब तक इन तीन सवालों का जवाब सरकार नहीं देती, तब तक प्रदेश में आम आदमी सुरक्षित महसूस नहीं कर सकता। इसके पश्चात भोजपुर में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी नीरज प्रधान प्रजापति के आवास पर 14 दिसंबर को दिल्ली रामलीला मैदान में होने वाली महारैली की तैयारियों की बैठक की गई। कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली पहुंचने का आह्वान किया गया। बैठक में जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा, कांग्रेस कोऑर्डिनेटर राजकुमार पंडित, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष डोली त्यागी, नीरज प्रजापति, जिला कांग्रेस कमेटी सचिव अय्यूब कुरैशी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष बृजेश सेन, सुनील शर्मा, विशाल वशिष्ठ, सेवादल ध्वजवाहक सुरेश दोसा, अश्वनी त्यागी, पवन कौशिक, आबिद अली सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाराबंकी में सीएम योगी ने की किसान पाठशाला का शुभारंभ

बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी में किसान पाठशाला और प्रगतिशील किसान सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने किसान पाठशाला में खेती की चुनौतियों और उत्पादन को बढ़ाने पर चर्चा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के पास देश की कुल कृषि भूमि का 11 प्रतिशत हिस्सा है लेकिन यूपी देश के कुल कृषि उत्पादन में 21 फीसदी योगदान देता है। यह बताता है कि प्रदेश का किसान मेहनती भी है और नवाचार की क्षमताओं से भी भरपूर है। सरकार प्रदेश के 28 जिलों में 4000 करोड़ की लागत से खेती में सुधार और आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास कर रही है।

सीएम योगी शुक्रवार को हरख ब्लॉक के दौलतपुर गांव में पद्मश्री और प्रगतिशील किसान रामसरन वर्मा के फार्म पर आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने दौलतपुर में किसान पाठशाला और प्रगतिशील किसान सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से तमाम योजनाएं चलाई हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, पीएम किसान सम्मान निधि, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार और कृषि यंत्रों पर सब्सिडी ने बड़े स्तर पर किसानों को राहत दी है।

सीएम योगी ने कहा कि परंपरागत खेती के साथ-साथ यदि किसान उच्च मूल्य वाली फसलों, सब्जियों, फल उत्पादन और प्राकृतिक खेती की दिशा में आगे बढ़ें तो उनकी आमदनी कई गुना बढ़ सकती है। उन्होंने पद्मश्री रामसरन वर्मा का उदाहरण देते हुए कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों और नवाचार को अपनाने से सीमित भूमि पर भी शानदार उत्पादन संभव है। सरकार किसानों को इसी दिशा में प्रोत्साहित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी प्रगति के बिना समृद्ध भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए सरकार हर जिले में किसान प्रशिक्षण, मॉडल फार्म और आधुनिक मार्केट से जोड़ने की व्यवस्था को मजबूत कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि खेती को लाभकारी बनाने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे और किसान हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई न्यायिक हिरासत में, एनआईए की कार्रवाई तेज

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने शुक्रवार को गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। विशेष एनआईए कोर्ट के जज ने यह आदेश दिया।

पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष एनआईए न्यायाधीश ने अनमोल बिश्नोई को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उनके खिलाफ खतरे की आशंका को देखते हुए उन्हें वर्चुअल माध्यम से अदालत में पेश किया गया।

अमेरिका ने किया था अनमोल को डिपोर्ट

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई और उसके करीबी अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से लौटने के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि अनमोल को अमेरिका ने मंगलवार को भारत डिपोर्ट कर दिया था। इसके बाद दिल्ली पहुंचते ही एनआईए ने उसे पकड़ लिया।

बिश्नोई गिरोह के विभिन्न सहयोगियों के साथ मिलकर काम करते हुए अनमोल ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के लिए अमेरिका से आतंकवादी सिंडिकेट चलाना और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देना जारी रखा। इसके लिए उसने जमीनी स्तर पर उसके गुर्गों का इस्तेमाल किया। जांच से पता चला है कि अनमोल बिश्नोई ने गिरोह के शूटरों और जमीनी गुर्गों को आश्रय और रसद सहायता प्रदान की थी। वह अन्य गैंगस्टरों की मदद से विदेशी धरती से भारत में जबरन वसूली में भी शामिल था।

एनआईए, आतंकवादियों, गैंगस्टरों और हथियार तस्करों के बीच गठजोड़, जिसमें उनका बुनियादी ढांचा और धन स्रोत शामिल हैं, को नष्ट करने के अपने प्रयासों के तहत, आरसी 39/ 2022/ एनआईए /डीएलआई (लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व में आतंकवादी-गैंगस्टर षड्यंत्र मामला) मामले की जांच जारी रखे हुए है। अनमोल बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में आरोपी है। सलमान खान के घर हुई फायरिंग और सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस से भी उसका कनेक्शन है।

इंडिगो संकट पर सरकार की सख्ती हवाई किराया नियंत्रण पर बड़ा बयान

नई दिल्ली। इंडिगो संकट को लेकर केंद्र सरकार लगातार एक्शन में नजर आ रही है। केंद्र सरकार ने हाल ही में इंडिगो को प्रभावित यात्रियों को रिफंड से लेकर मुआवजा तक देने के निर्देश दिए हैं। वहीं, शुक्रवार को ऊऋउअ ने इंडिगो के चार फ्लाइंग इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया।

इंडिगो संकट के दौरान हाल ही में हवाई किराये में भारी बढ़ोतरी देखने को मिली थी। जिसके बाद सरकार ने टिकटों के किराये पर लिमिट लगा दी। अब सरकार ने हवाई किराये को नियंत्रित करने को लेकर बड़ा बयान दिया है। नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने संसद में शुक्रवार को बताया कि हम पूरे साल हवाई किराये को नियंत्रित नहीं कर सकते हैं। त्योहारों के दौरान कीमतें बढ़ जाती हैं।

'हवाई किराये पर सीमा लगाना व्यावहारिक नहीं'

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि सरकार के लिए पूरे देश में हवाई किराये पर सीमा लगाना व्यावहारिक नहीं होगा। उन्होंने तर्क देते हुए कहा कि एक अनियंत्रित बाजार आखिर में उपभोक्ताओं को ही लाभ पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र को विकसित होने देने के लिए नियंत्रण पर से ढील दी गई थी।

उन्होंने कहा कि जिन देशों ने असाधारण वृद्धि देखी है, उन सभी ने बाजारों को अनियंत्रित रखा है। उन्होंने कहा कि इससे ज्यादा कंपनियों को क्षेत्र में आने का प्रोत्साहन मिलता है और सहयोग के दरवाजे खुलते हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा, 'इसके चलते बाजार की गतिशीलता को स्वाभाविक रूप से काम करने की इजाजत मिलती है, जिससे मांग और आपूर्ति अपनी स्वाभाविक भूमिका निभा पाती हैं। आखिरकार इसका सबसे ज्यादा फायदा यात्रियों को ही मिलता है।'

सरकार ने किराये को नियंत्रित न करने की बताई वजह

हवाई किराये पर नियंत्रण लगाने की मांग वाले एक सदस्य के निजी विधेयक पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने इस बात पर जोर दिया, 'नियंत्रण हटाने का विचार अभी भी कायम है, अगर हम नागरिक उड्डयन क्षेत्र को विकसित करना चाहते हैं, तो सबसे पहली और जरूरी आवश्यकता इसे नियंत्रण से मुक्त रखना है। जिससे बाजार में और कंपनियां आ सकें।'

नायडू ने बताया, 'बाजार के नियंत्रण में ढील दिए जाने के बावजूद, विमान अधिनियम अपने हालिया रूप में केंद्र सरकार को असाधारण परिस्थितियों में, जहां दुरुपयोग की संभावना हो, दखल देने और हालात को सुधारने का अधिकार देता है। इसमें किराये पर सीमा निर्धारित करना भी शामिल है, ताकि यात्रियों से गैर-वाजिब पैसे न लिए जाएं।'

राहुल गांधी की प्रदूषण पर बहस की मांग का शिवसेना ने किया समर्थन, कहा- राजनीति नहीं समाधान जरूरी

राहुल गांधी ने लोकसभा में उठाई थी मांग

गौरतलब है कि मामले को लेकर संसद में राहुल गांधी ने देश के कई बड़े शहरों में बढ़ते वायु प्रदूषण संकट पर जोर देते हुए सरकार से विस्तृत चर्चा शुरू करने और इसे ठीक करने के लिए एक प्लान बनाने की अपील की। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने कहा कि लाखों बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है क्योंकि उन्हें फेफड़ों की बीमारियां हो रही हैं। लोकसभा में राहुल गांधी ने कहा देश के ज्यादातर बड़े शहरों में लोग जहरीली हवा की चादर में जी रहे हैं। लाखों बच्चों को फेफड़ों की बीमारियां हो रही हैं। उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है। लोगों को कैंसर हो रहा है। बुजुर्गों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। राहुल गांधी ने कहा कि यह बेहद जरूरी मुद्दा है। मुझे यकीन है कि इस पर सरकार और हमारे बीच पूरी सहमति होगी।

नई दिल्ली। शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में राहुल गांधी की वायु प्रदूषण पर विस्तृत चर्चा की मांग का समर्थन किया। बढ़ते प्रदूषण संकट पर सभी दलों से मिलकर समाधान निकालने की अपील।

शिवसेना की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की वायु प्रदूषण पर चर्चा की मांग का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय, हमें इसका समाधान निकालना चाहिए, क्योंकि समस्या से पक्ष और विपक्ष दोनों इससे परेशान हैं। शिवसेना सांसद ने जोर देकर कहा कि दिल्ली के लोगों हर दिन जहरीली हवा में सांस ले रहे हैं। इसके साथ ही महिला सांसद ने बीजेपी के सत्ता में होने के बावजूद इस मुद्दे पर चर्चा न करने की आलोचना की।

संसद के बाहर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए चतुर्वेदी ने कहा मैं इसका स्वागत करती हूं। ऐसा लगता है जैसे हम हर दिन जहरीली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब आम आदमी पार्टी सत्ता में थी, तो वायु प्रदूषण भाजपा के लिए चर्चा का विषय हुआ करता था, लेकिन सरकार बनने के बाद अब इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। उन्होंने कहा इस मुद्दे पर पूरी चर्चा होनी चाहिए। पक्ष और विपक्ष दोनों इससे परेशान हैं। इस पर राजनीति करने के बजाय, हमें इसका हल निकालना होगा। इसके साथ ही कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायु प्रदूषण संकट पर पार्लियामेंट में चर्चा की और राहुल गांधी की मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह एक संवेदनशील मुद्दा है और उस पर सरकार को एक अच्छा एक्शन प्लान बनाना चाहिए और इस पर काम करना चाहिए। मीडिया से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि वायु प्रदूषण हर साल बढ़ रहा है। इस पर सबको मिलकर साथ आने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं पूरी तरह सहमत हूं और मुझे लगता है कि इस पर हर कोई सहमत है। सरकार ने भी कहा कि हम सभी को इस पर चर्चा करनी चाहिए और एक एक्शन प्लान बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण हर साल बढ़ रहा है। हम दूसरे सभी कई मुद्दे पर चर्चा करते हैं, इसलिए इस पर भी चर्चा होनी चाहिए और इससे कुछ ठोस नतीजा निकलना चाहिए।

उन्होंने कहा यह हमारी सोच का मुद्दा नहीं है, इस मुद्दे पर हर कोई सहयोग करना चाहेगा, क्योंकि वायु प्रदूषण सभी को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें इस मिलकर काम करने की जरूरत है। गांधी ने कहा कि यह अच्छा होगा अगर सभी लोग डिटेल में चर्चा करें और फिर प्रधानमंत्री हर शहर के लिए एक प्लान बनाएं।

राहुल की अनुपलब्धता पर पूर्व विधायक का तीखा निशाना

प्रियंका को लेकर कर डाली मांग

भूवनेश्वर। ओडिशा के पूर्व विधायक मोहम्मद मोकिम ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर राहुल गांधी की अनुपलब्धता, खरगे की नेतृत्व शैली और पार्टी में युवाओं से बढ़ती दूरी पर कड़े सवाल उठाए। इसके साथ ही प्रियंका गांधी को लेकर बड़ी मांग भी की है। ओडिशा के पूर्व कांग्रेस विधायक मोहम्मद मोकिम ने पार्टी के अंदरूनी हालात को लेकर सोनिया गांधी को एक तीखा पत्र लिखा है। उन्होंने राहुल गांधी की अनुपलब्धता, 83 वर्षीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की नेतृत्व शैली और पार्टी में युवाओं से बढ़ती दूरी पर गंभीर सवाल उठाए हैं। बराबती-कटक से विधायक रह चुके मोकिम ने लिखा कि वह खुद लगभग तीन साल से राहुल गांधी से मिलने में असमर्थ रहे हैं। उन्होंने इसे व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरे देश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भावनात्मक दूरी का प्रतीक बताया।

कटक के कांग्रेस विधायक मोहम्मद मोकिम के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस विधायक रामचंद्र कदम ने कहा अक्ळउ ओडिशा में गठबंधन को लेकर पूरी तरह फोकस कर रही है। ओडिशा की जनता चाहती है कि आने वाले समय में कांग्रेस सत्ता में आएङ्क इसलिए जरूरी है कि पार्टी के सभी नेता एकजुट होकर काम करें।

राहुल गांधी से तीन साल में भी मुलाकात नहीं : मोकिम

मोकिम ने कहा नेतृत्व और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच बढ़ती खाई ने पार्टी को कमजोर कर दिया है। एक विधायक होने के बावजूद मैं तीन साल तक राहुल गांधी से नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी के समय में कार्यकर्ताओं को महत्व मिलता था, उनकी सुनी जाती थी, जिससे विश्वास और निष्ठा बनी रहती थी।

खरगे की नेतृत्व शैली पर सवाल

मोकिम ने लिखा कि देश की 65 फीसदी आबादी युवा है, लेकिन वर्तमान नेतृत्व युवाओं से कनेक्ट नहीं कर पा रहा है। उन्होंने कहा 83 वर्ष की आयु में खरगे की नेतृत्व शैली से पार्टी युवा वर्ग तक नहीं पहुंच पा रही है।

प्रियंका गांधी को बड़ी भूमिका देने की मांग

मोकिम ने पत्र में स्पष्ट लिखा कि देश की युवा आबादी प्रियंका गांधी के नेतृत्व की प्रतीक्षा कर रही है। उन्हें केंद्रीय और सक्रिय भूमिका मिलनी चाहिए। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में पार्टी का नेतृत्व सचिन पायलट, डीके शिवकुमार और शशि थरूर जैसे ऊर्जावान नेताओं को मिलना चाहिए।

युवा नेताओं के पलायन का दर्द

पत्र में मोकिम ने उन युवा नेताओं का भी उल्लेख किया, जो लंबे समय तक सुने न जाने और लगातार नजरअंदाज किए जाने की वजह से कांग्रेस से अलग हो गए। उन्होंने कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया, मिलिंद देवड़ा, हिमंत बिस्वा सरमा और जयवीर शेरगिल जैसे प्रतिभाशाली नेता पार्टी छोड़कर चले गए, जो कांग्रेस के भीतर बढ़ रही गहरी असंगति और असंतोष को स्पष्ट रूप से दशार्ता है।

पार्टी की भौगोलिक और भावनात्मक उपस्थिति सिकुड़ रही है

मोकिम ने कहा कि बिहार, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर में भारी हारें केवल चुनावी असफलताएं नहीं बल्कि संगठनात्मक कमजोरी और गलत निर्णयों का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि बूथ लेवल के कार्यकर्ता खुद को अनदेखा और उपेक्षित महसूस कर रहे हैं, जिससे जीतना लगभग असंभव हो रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शिवराज पाटिल का 90 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली। करंट क्राइम। पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता शिवराज पाटिल का 90 साल की उम्र में शुक्रवार सुबह निधन हो गया। वे काफी समय से बीमार चल रहे थे। महाराष्ट्र के लातूर में उन्होंने अंतिम सांसें ली। अपने लंबे पॉलिटिकल करियर में उन्होंने कई अहम पद संभाले। इनमें लोकसभा स्पीकर और यूनियन कैबिनेट में कई अहम पद शामिल हैं। पाटिल ने लातूर लोकसभा सीट कई बार जीती। पाटिल ने लातूर लोकसभा सीट से सात बार जीत हासिल की थी। पाटिल का घर पर ही इलाज चल रहा था।

कांग्रेस पार्टी के सभी कार्यकताओं ने उनकी मौत पर दुख जताया है। साथ ही उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं जताई हैं। उन्होंने 1980, 1984, 1989, 1991, 1996, 1998 और 1999 में यह सीट जीती थी। उन्होंने 1972 और 1978 में भी लातूर विधानसभा सीट जीती थी।

2004 के लोकसभा चुनाव में हारने के बाद भी उन्होंने राज्यसभा से गृह मंत्री का पद और केंद्रीय जिम्मेदारियां स्वीकार की थीं। उनके घर के बाहर की तस्वीरों में दिख रहा है कि लोग और पार्टी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए इकट्ठा हुए हैं।

महाराष्ट्र के रहने वाले पाटिल मराठवाड़ा इलाके के लातूर से सांसद रहे हैं। 2008 में 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के दौरान पाटिल देश के गृह मंत्री थे। मुंबई टेरर अटैक में सिक्योरिटी में चूक की वजह से काफी आलोचना होने के बाद पाटिल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

उन्होंने मुंबई अटैक को रोकने में अपनी नाकामी मानी और नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाटिल का सुबह करीब 6:30 बजे लातूर में उनके घर पर निधन हो गया। लातूर के चाकुर के रहने वाले पाटिल का चाकुरकर मराठवाड़ा और महाराष्ट्र में काफी असर था। शिवराज पाटिल लातूर के चाकुर से एक काफी प्रभावशाली कांग्रेस नेता थे।

मदरसा के मौलाना की गोली मारकर हत्या, चार बाइक पर आए सात हमलावरों ने वारदात को दिया अंजाम

रायबरेली। रायबरेली में मदरसा के मौलना की गोली मारकर हत्या कर दी गई। चार बाइक पर आए सात हमलावरों ने वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद फरार हो गए। यूपी के रायबरेली में शुक्रवार को मदरसे के मौलाना की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना से क्षेत्र में दहशत फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

डीह क्षेत्र के उत्तरी पाठक मजरे बिरनावा गांव निवासी मौलाना मुर्तजा की हत्या हुई है। वह पूरे जालिम गांव स्थित मदरसा में मौलाना थे। बताया गया कि वह अपनी बेटी को लेकर बाइक से घर लौट रहे थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रोखा के निकट पिलहा ऊसर के पास चार बाइकों पर सवार सात लोगों ने उन्हें घेर लिया। इसके बाद गोली मारकर फरार हो गए। उनकी बेटी ने किसी तरह जान बचाई। सूत्र बताते हैं कि मौलाना का गांव के कुछ लोगों से कुछ समय पहले खड़ंजा लगवाने के संबंध में विवाद हुआ था।

पर्सनैलिटी राइट्स को लेकर हाईकोर्ट पहुंचे पवन कल्याण

सात दिन में कार्रवाई के आदेश

नई दिल्ली। शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट में पवन कल्याण की पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा की मांग वाली याचिका पर सुनवाई हुई। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया कंपनियों को सात दिन में कार्रवाई करने का आदेश दिया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण की याचिका पर सुनवाई करते हुए सोशल मीडिया कंपनियों से सात दिनों के भीतर आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने शुक्रवार को पवन कल्याण की उस याचिका पर सुनवाई की, जिसमें उन्होंने अपने पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा की मांग की थी।

पवन कल्याण की भी याचिका पर न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा ने अजय देवगन की याचिका पर दिए गए आदेश के आधार पर एक सप्ताह के अंदर कार्रवाई करने का आदेश दिया। अदालत ने पवन कल्याण को सभी विवादित कंटेंट की सूची देने के लिए कहा है। हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया कंपनियों को निर्देश दिया कि वे कल्याण की याचिका को सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियमावली, 2021 के तहत एक शिकायत के रूप में स्वीकार करें और सात दिन में आवश्यक कदम उठाएं।

सलमान खान के नाम, फोटो के व्यावसायिक दुरुपयोग पर हाईकोर्ट ने लगाया स्टे

इससे पहले बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की पर्सनालिटी राइट्स को दिल्ली हाईकोर्ट ने संरक्षण दिया। दिल्ली हाई कोर्ट ने सलमान के नाम, फोटो और अन्य विशेषताओं का बिना अनुमति व्यावसायिक सामान बेचने के लिए दुरुपयोग रोकने के लिए स्टे ऑर्डर जारी किया है। न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की अदालत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और इंटरमीडियरी को सलमान की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

यह मामला सलमान खान द्वारा दायर याचिका पर आधारित है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स जैसे एप्पल, रेडबबल, ई-मार्केटप्लेस और एआई चैटबॉट्स पर उनके नाम और फोटो का इस्तेमाल अनधिकृत रूप से मर्चेंडाइज (जैसे टी-शर्ट, मग आदि) बेचने के लिए किया जा रहा है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी का बड़ा ऐलान: नैनीताल जिले को 112 करोड़ की सौगात

नैनीताल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को धारी ब्लॉक के हिमगिरी स्टेडियम लेटीबुंगा में पहुंचकर नैनीताल जिले की कुल 112.34 करोड़ रुपये की 17 विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शुक्रवार को धारी ब्लॉक स्थित हिमगिरी स्टेडियम लेटीबुंगा में पहुंचे। जहां सीएम ने जिले की 112.34 करोड़ की 17 योजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किया।

सीएम धामी ने 70.73 करोड़ की लागत से 8 विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। इसमें 4.53 करोड़ से सेनिटोरियम से अल्मोडा मार्ग तक भवाली बाईपास भाग-1 का डामरीकरण, 11.62 करोड़ से भवाली-सेनिटोरियम से नैनीबैंड तक भवाली बाईपास पार्ट-2 सुधारीकरण, 7.95 करोड़ से भीमताल बाईपास मोटर मार्ग का सुधारीकरण, 16.62 करोड़ भीमताल-खुटानी -चांफी-परमपुरी-धानाचुली पंचेश्वर मोटरमार्ग सुधारीकरण का निर्माण कार्य, 19.48 करोड़ से 50 बैड क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण, 8.43 करोड़ से लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय हल्दूचौड में पुस्तकालय, बहुउददेशीय हॉल का निर्माण, 1.46 करोड़ से निराश्रित गौवंश के लिए ग्राम पुछडी में गौशाला निर्माण, 61.38 लाख से रा.उ.मा.वि. जाडापानी भीमताल में पुस्तकालय कक्ष, कम्प्यूटर कक्ष एवं विज्ञान प्रयोगशाला कक्ष का लोकापर्ण किया।

1.5 करोड़ की लागत से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम गौलापार में स्वीमिंग पुल पर टेंसाईल शेड एवं पूल कवरिंग कार्य, 46.54 लाख से रा.उ.मा.वि. झडगांव में भवन निर्माण कार्य, 75 लाख की लागत से ओखलकांडा में सभागार कक्ष, 45 लाख की लागत से रामनगर में टाईप-4 आवासीय भवन निर्माण, 9.81 करोड़ से बेतालघाट में दूनीखाल से रातीघाट तक मोटर मार्ग का निर्माण, 8.19 करोड़ से पंगोट दैचोरी मार्ग का नवनिर्माण, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम गौलापार में सुरक्षा के लिए बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य की योजनाओं का शिलान्यास किया।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर आतंकी साजिश नाकाम:

जम्मू। जम्मू के परगवाल क्षेत्र में बीएसएफ ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अब्दुल खालिक घुसपैठिए को चीनी पिस्टल सहित गिरफ्तार कर एक बड़ी साजिश नाकाम कर दी। जम्मू के परगवाल क्षेत्र में सीमा सुरक्षाबल (बीएसएफ) ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक घुसपैठिए को हथियार सहित पकड़कर एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान अब्दुल खालिक के रूप में हुई है। उसके पास से एक चीनी पिस्टल बरामद की गई है। बीएसएफ द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद केंद्रीय जांच एजेंसियों और बीएसएफ ने उससे विस्तृत पूछताछ की। पूछताछ पूरी होने के बाद उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस पोस्ट परगवाल (थाना खौर) को सौंप दिया गया।

नीलामी सूचना

कार्यालय सेनानायक 47 वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद 201013
फोन/फैक्स0120-2767021 सीयूजी-919454400373

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि 47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद की निष्प्रयोज्य राजकीय संपत्ति/मेसपात्र/ इलेक्ट्रॉनिक्स सामान/ दंगा निरोधक उपकरण/ पुरानी पानी की टंकी/टेंटेज आदि की सार्वजनिक नीलामी दिनांक 29 /12 /2025 के पूर्वाह्न समय 11:00 बजे होगी इच्छुक ठेकेदार नियत दिनांक पर वाहिनी में उपस्थित होकर नीलामी में भाग ले सकते हैं ।
पत्रांक– न –59/ 2025.
दिनांक दिसंबर 2025.

(चारु निगम) सेनानायक
47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 ● नई दिल्ली। शनिवार 13 दिसम्बर -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

धीरे-धीरे आ रहा है लोनी में विधानसभा की दावेदारी में उफान

इंतजार अब इस बात का दावेदारों में कब आयेगा एक्टिविटी का तूफान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कुछ दिन बाद वर्ष 2026 शुरू हो जायेगा। अगर सियासत के हिसाब से देखें तो ये वर्ष चुनावी वर्ष रहेगा। ये वही वर्ष होगा जिसमें दावेदारी की तैयारियों का संघर्ष होगा। वर्ष 2027 में तो चुनावी रणभेरी बजेगी। हर सीट पर हर दल अपने अपने समीकरण अभी से बिठा रहा है।

दावेदार भी इन्हीं समीकरणों से हिसाब से खुद को अपडेट कर रहे हैं। वो चुनाव की तैयारी कर रहे हैं और तैयारी कौन कैसी कर रहा है इसको लेकर दैनिक करंट क्राइम ने जब विश्लेषण किया तो आज बात लोनी विधानसभा 53 की होगी।

ये क्रांतिकारी विधानसभा मानी जाती है। यहां मौजूदा विधायक भाजपा के नंदकिशोर गुर्जर हैं। लगातार दो बार से विधायक हैं। ये विधानसभा भगवा सियासत में क्रांतिकारी मानी जाती है। यहां पर राजनीतिक विरोध अपने चरम पर रहता है। यहां गुर्जर चेहरे दावेदारी में सबसे आगे हैं। यहां मुस्लिम वोटों की संख्या भी काफी है और यहां पर लगातार भाजपा ने जीतकर इस सीट को भाजपा के लिए एक बड़ा फायदे का सौदा बनाया है।

सवाल ये है कि यहां भाजपा से कौन कौन चेहरे दावेदारी करेंगे। आज बात लोनी के उन चेहरों की होगी जो अपना एक सियासी प्रोफाईल रखते हैं और वो कहीं ना कहीं दावेदारी में अपनी पकड़ रखते हैं। मौजूदा समय में यहां नंदकिशोर गुर्जर भाजपा से विधायक हैं। उनकी राजनीति का अंदाज निराला है। यही एक वजह मानी जाती है कि यहां अन्य दावेदार उनके साथ अधिकतर कार्यक्रमों में खड़े नजर नहीं आते हैं लेकिन सियासत के सूत्र बताते हैं कि अभी दावेदार खुद नजर नहीं आते हैं और जब चुनाव आयेगा तो सारे दावेदार नजर आयेंगे। लोनी की बात करें तो यहां भगवा राजनीति का एक युग शुरू हुआ है।

छेड़ दिया है सियासी फसाना, एक्टिव मोड में आ गये अनिल कसाना

करंट क्राइम। राजनीति की बात चलेगी और लोनी का जिक्र आयेगा तो यहां अनिल कसाना का नाम जरूर आयेगा। लोनी में राजनीति की शुरूआत ब्लॉक प्रमुख से की, जिलापंचायत सदस्य रहे हैं। वो लोनी की भगवा राजनीति का ऐसा चेहरा हैं जो पहले भी विधानसभा की दावेदारी में प्रबल दावेदारों में रहे हैं। इसमें कोई दोराय नहीं है कि अनिल कसाना लोनी के प्रभावशाली एक्टिव चेहरे हैं। बताया जाता है कि लोनी की भगवा राजनीति में अनिल कसाना ने एक्टिविटि का तराना छेड़ दिया है। शादी विवाह समारोह से लेकर वो सामाजिक कार्यक्रमों में फुल एक्टिव चल रहे हैं। ये मुखरता के साथ मैदान में आ गये हैं। बताया तो ये जाता है कि वो इस बार चुनाव लड़ेंगे ही लड़ेंगे।

पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी का चल रहा है क्यों लोनी से नाम

करंट क्राइम। राजनीति की बात करें और उसमें भी अगर खिलाड़ियों की बात करें तो यहां पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी का नाम सोलिड़ प्लेयर की गिनती में आता है। खुद विधान परिषद सदस्य रहे हैं और उनकी पत्नी बागपत विधानसभा से विधायक रही हैं। पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी चुनाव के खिलाड़ी हैं और लोनी की सियासी नब्ज को बेहतर जानते हैं। गुर्जर बिरादरी से लेकर अन्य बिरादरी में मजबूत पकड़ रखते हैं। कई चुनाव लड़ चुके हैं लिहाजा दावेदारी से लेकर उम्मीदवारी तक सारे दाव जानते हैं। उन्होंने भी अपने सियासी कैरियर की शुरूआत ब्लॉक प्रमुख से की थी। लिहाजा वो पंचायत चुनाव से लेकर विधानसभा चुनाव की एबीसीडी जानते हैं। प्रशांत चौधरी का नाम इसलिए भी यहां से दावेदारी में चर्चा में आया है क्योंकि उन्होंने बीते दिनों एक इंटव्यूह में खुद ये कहा था कि वो लोनी सीट पर फोकस कर रहे हैं। ऐसे में दावेदारी से इंकार नहीं किया जा सकता।

पवन मावी दिखते हैं चौकस मगर उनका है पंचायत चुनाव पर फोकस

करंट क्राइम। लोनी की राजनीति में अगर हावी चेहरों की बात करें तो यहां पवन मावी का नाम आता है। पवन मावी ने उस समय पूरी भाजपा को चौंका दिया था जब वो दिल्ली से भाजपाई होकर आये थे और उन्होंने यहां जिला पंचायत अध्यक्ष की सीट पर चक्रव्यूह तोड़कर अपनी पत्नी लक्ष्मी मावी को काबिज करा दिया था। राजनीति के खिलाड़ी माने जाते हैं। क्षेत्र की राजनीति पर पकड़ रखते हैं। हल्दीघाटी की मिट्टी में वो विधायक नन्द किशोर गुर्जर के साथी रहे हैं। भी शामिल रहे हैं। दावेदारी में उनका नाम आता है लेकिन सूत्र बताते हैं कि पवन मावी लोनी की सियासत के हर मूवमेंट को लेकर चौकस है लेकिन फिलहाल उनका फोकस यहां जिला पंचायत वाले चुनाव पर है। नगर पालिका वाली दावेदारी में उनका नाम चलता है और विधानसभा चुनाव में भी ये चेहरा एक्टिव हो सकता है।

क्या बसंत की खामोशी कर रही है कहीं और से मुराद पूरी होने का ईशारा

करंट क्राइम। लोनी की राजनीति में और खास तौर से भगवा राजनीति में बसंत त्यागी एक ऐसा चेहरा हैं जिन्हे इग्नोर किया ही नहीं जा सकता। वो भाजपा के जिलाध्यक्ष रहे हैं। वो भाजपा की क्षेत्रीय टीम में पदाधिकारी रहे हैं और मौजूदा समय में प्रदेश टीम मे हैं। जनराजनीति की बात करें तो उनकी पत्नी ममता त्यागी लगातार दो बार जिलापंचायत सदस्य का चुनाव जीती हैं और अब बसंत त्यागी की पत्नी ममता त्यागी जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। बसंत त्यागी की पॉलिटिक्स का अंदाज बहुत ही पॉलाईट है। वो अपनी स्पीड में चलते हैं और उनके किसी भी लहजे से ये नहीं लगता कि राजनीति में उनकी किसी से कोई फाईट है। विधानसभा चुनावों के लिए ये नाम भी चर्चा में चलता है अगर प्रोफाईल की बात करें तो बसंत त्यागी का नाम सारे मानकों पर फिट बैठता है। बताते हैं कि बसंत अपनी राजनीति को साईलेंटली सेट करके चलते हैं। बताया ये जाता है कि बसंत त्यागी भले ही लोनी की राजनीति का चेहराहै लेकिन वो अपनी 'चुनावी मुराद' किसी और सीट से पूरा करना चाहते हैं। सूत्र बताते हैं कि उनकी इस मुराद को जो पूरी करवाने की ताकत रखते हैं उन्हें भी इस बात का अहसास है। मुराद पूरी करने वाले भी उनकी इस मुराद से वाकिफ हैं।

क्या विधायक नंदकिशोर गुर्जर लगायेंगे टिकट की हैट्रिक

करंट क्राइम। इसमें कोई दोराय नहीं है कि लोनी की सियासत में एक बड़े रिंग मास्टर वाले रोल के साथ विधायक नंदकिशोर गुर्जर सीट पर काबिज हैं। वो जानते हैं कि राजनीति में कौन सा धमाका कब और कहां करना है। उनकी राजनीति का अपना एक रंग है। वो हमेशा चुनौति का सामना करते हैं और फिर जीत हासिल करते हैं। पहली बार वो भाजपा से टिकट तब लेकर आये थे जब कोई यहां कई दिग्गज टिकट मांग रहे थे। उन्होंने लोनी में भाजपा के टिकट पर तब जीत हांसिल की थी जब कोई यहां भाजपा के लिए जीत की राहें आसान नहीं मान रहा था। दूसरी बात नंदकिशोर गुर्जर तब टिकट लेकर आये जब हर कोई टिकट मांग रहा था और जब सब ये कह रहे थे कि इस बार नंदकिशोर गुर्जर का टिकट कट जायेगा। संगठन से लेकर सरकार के बड़े चेहरों तक मोर्चा खुलने की बात थी। लेकिन यहां नंदकिशोर गुर्जर ने टिकट भी हांसिल किया और जीत भी हांसिल की। अब यही सवाल है कि क्या विधायक नंदकिशोर गुर्जर यहां से टिकट की हैट्रिक लगायेंगे। उनके सामने टिकट की दावेदारी ही एक चुनौती है और एक चुनौती नंद किशोर गुर्जर के सामने भी यही है कि वो अपनी दावेदारी को कितना मजबूत रखते हैं। क्योंकि राजनीति में गारंटी जैसा शब्द कुछ नहीं होता है और लोकसभा का परिवर्तन इसका उदाहरण है। वहां भी लगातार दो जीत का सीन था और तीसरी बार में टिकट ही मिलना संगीन हो गया।

टिकट का बनेगा योग तो क्या याद रखा जायेगा योगेन्द्र मावी का वो सहयोग

करंट क्राइम। लोनी की बात करें तो यहां योगेन्द्र मावी एक सौम्य चेहरा हैं। वो ओबीसी मोर्चा में पदाधिकारी हैं। एक्टिव राजनीति करते हैं और बताया ये जाता है कि स्टार की मार कुछ ऐसी रही कि टिकट उनके आसपास ही घूम गया। चर्चा ये सुनाई देती है कि क्रांतिकारी विधायक से उनकी खींचतान रहती है। लोकल मीडिया के जरिये अकसर उदगार बाहर आते हैं। योगेन्द्र मावी लगातार दो योजना से टिकट की दावेदारी में हैं। भाजपा के सूत्र बताते हैं कि टिकट का योग बनता है तो कोई भी उनके 'उस सहयोग' को नहीं भूल सकता जो उन्होंने किया था। सकारात्मक विचारधारा के साथ राजनीति करते हैं और अब ये ही बात है कि पार्टी क्या इस चेहरे पर भी ध्यान देगी।

यूथ चेहरा नितिन मावी रहेगा दावेदारी में कितना मजबूत

करंट क्राइम। भगवा राजनीति को अगर गौर से देखें तो ये अब चेहरे बदल रही है। यहां राजनीति में नये और युवा चेहरों को मौका मिल रहा है। ऐसे में अगर लोनी की राजनीति में युवा चेहरा, गुर्जर समीकरण और मजबूत राजनीति की बात करें तो यहां नये चेहरे के रूप में नितिन मावी ने सबको प्रभावित किया है। नितिन मावी लोनी की राजनीति में लगातार काम कर रहे हैं और सबसे बड़ी बात ये है कि इस चेहरे को दिल्ली लखनऊ से लेकर आशीर्वाद भी प्राप्त है। युवा नेता है और उनके सामने एक बड़ा स्कोप है। हालाकि नितिन मावी यूथ हैं, मजबूत हैं। लेकिन बताया जाता है कि वो लोनी के विधायक नंदकिशोर गुर्जर की फुल सपोर्ट में हैं। ऐसे में इस चेहरे की दावेदारी तो बनेगी लेकिन हो सकता है कि वो नगरपालिका या पंचायत पर शिफ्ट हो जाये। राजनीति में युवा चेहरे के रूप में नितिन मावी ने अपनी छाप छोड़ी है। भाजपा का कोई भी आयाम उन्हें मिले वो उस पर पूरी शिद्दत से काम करते है। सदस्यता अभियान से लेकर तिरंगा यात्रा तक उनकी मजबूत भागीदारी दिखाई देती है।

क्या पूर्व चेयरमैन विनोद बंसल की खामोशी के पीछे छुपा है तूफान

करंट क्राइम। राजनीति में खिलाड़ी कभी शांत नहीं बैठते। लोनी की राजनीति के ऐसे ही एक खिलाड़ी डॉक्टर विनोद बंसल हैं। लोनी नगरपालिका के चेयरमैन रहे हैं। फिलहाल वो राजनीति में उतने जोश में नहीं हैं और कहने वाले यही कहते हैं कि इस खामोशी के पीछे क्या तूफान है। वो पार्टी कार्यक्रमों में दिखाई देते हैं। लेकिन दावेदारी वाली कदम ताल अभी एक्टिव मोड में नहीं हैं। हालाकि लोनी के सूत्र बताते है कि जब दावेदारी का समय आयेगा तो ये चेहरा भी नजर आयेगा।

ईश्वर मावी रहेंगे दावेदारी में कितने हावी

करंट क्राइम। ईश्वर मावी लोनी की राजनीति में लम्बे समय से एक्टिव हैं। मौजूदा समय में उनकी पुत्रवधु अंशु मावी जिलापंचायत सदस्य हैं। ईश्वर मावी को भाजपा में आये एक दशक से ज्यादा समय हो गया है। अगर राजनीति को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ें तो ईश्व मावी हमेश एक्टिव रहते हैं। वो यहां की सियासत में अपनी एक विशिष्ट पहचान रखते हैं। सूत्र बताते हैं कि विधानसभा के चुनावी रण में ये चेहरा भी हैवी दावेदारी के साथ आयेगा। दावेदारी कितना परवान चढ़ेगी ये भविष्य के गर्भ में छिपा है लेकिन अगर सियासी प्रोफाईल को देखें तो दावेदारी बनती है।

चैनपाल का मन भी है क्या दावेदारी के लिए बेचैन

करंट क्राइम। चैनपाल गुर्जर भाजपा के जिलाध्यक्ष हैं। वो मौजूदा विधायक नंदकिशोद गुर्जर के खास लोगों में गिने जाते हैं, पुराने भाजपाई हैं। जिलाध्यक्ष हैं तो उनकी दावेदारी बनती है। हालाकि चैनपाल गुर्जर खामोश हैं लेकिन यहां पर लोनी का समीकरण उन्हें दावेदारी में खड़ा करता है। जो भी लोनी से जिलाध्यक्ष बनता है वो जनप्रतिनिधि वाले फ्रेम में जरूर आ जाता है। स्वयं नंदकिशोर गुर्जर भाजपा के जिलाध्यक्ष रहे हैं और आज वो लोनी के विधायक हैं। बसंत त्यागी भाजपा के जिलाध्यक्ष रहे हैं और आज उनकी पत्नी ममता त्यागी जिलापंचायत अध्यक्ष हैं। सतपाल प्रधान जिलाध्यक्ष रहे, उन्हें नगरपालिका का टिकट भी मिला। ये अलग बात है कि वो टिकट के बाद भी जीत के निकट नहीं जा पाये। ऐसे में चैनपाल गुर्जर की भी दावेदारी बनती है और इतिहास ये बताता है कि जिसके सिर पर जिलाध्यक्ष का खिताब आता है उसके सिर पर जनप्रतिनिधि का ताज आज नहीं तो कल आ ही जाता है।

चर्चा में सतपाल प्रधान , क्या मिलेगा उन्हें कोई वरदान

करंट क्राइम। सतपाल प्रधान लोनी के भाजपा जिलाध्यक्ष रहे हैं। वो सरप्राईज देने के लिए जाने जाते हैं। किसान मोर्चा से निकलकर सीधे जिलाध्यक्ष बने थे और एक सरप्राईज दिया था। उन्होंने फिर नगरपालिका का चुनाव भी लड़ा और एक कड़वा अनुभव भी लिया। फिलहाल वो वेट एंड वॉच मोड पर हैं। अब यही इंतजार है कि क्या सतपाल प्रधान को किसी बड़े चेहरे का आशीर्वाद वाला वरदान मिलेगा। सूत्र बताते हैं कि उनके सिर पर वेस्टर्न वालों का मजबूत हाथ है। वो मोर्चे के जिलाध्यक्ष से डायरेक्ट जिलाध्यक्ष बनकर भी सबको चौंका चुके हैं।

क्या करतार सिंह निठौरा भी करेंगे लोनी से अपनी दावेदारी

करंट क्राइम। करतार सिंह निठौरा सियासत के पुराने चेहरे हैं। उनके पुत्र सुनील निठौरा भाजपा युवजन सभा के जिलाध्यक्ष रहे हैं। करतार सिंह निठौरा लोनी की भगवा सियासत के एक्टिव चेहरों में हैं। अभी वो उतनी फोम में नहीं हैं जितनी दावेदारी के लिए दिखाई देनी चाहिए। लेकिन सूत्र बताते हैं कि करतार सिंह निठौरा दावेदारी के समय मुखर होंगे और टिकट मांगेगे।

पुलिस कमिश्नरेट में ट्रैफिक सुधार लाने के लिए पुलिस कमिश्नर का नया प्रयास

मोहननगर में ट्रैफिक कंट्रोल का नया कार्यालय, जोन-सब जोन व्यवस्था से बढ़ेगी निगरानी

- यातायात व्यवस्था को पुनर्गठित करते हुए 03 जोन और 09 सब-जोन बनाए हैं

कम प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मी अब ट्रैफिक मैनेजमेंट में लगाए जाएंगे

करंट क्राइम। करंट क्राइम के सूत्रों के अनुसार, पुलिस कमिश्नरेट ने विभिन्न थानों से ऐसे पुलिसकर्मियों के नाम मांगे हैं, जिनका प्रदर्शन अपेक्षित स्तर का नहीं रहा। इन पुलिसकर्मियों को शीघ्र ही ट्रैफिक ड्यूटी में तैनात किया जाएगा, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था में जनशक्ति बढ़े और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में निगरानी और नियंत्रण मजबूत किया जा सके। यह कदम सड़क हादसों में कमी, चौराहों पर त्वरित प्रतिक्रिया, ट्रैफिक जाम से राहत और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। गाज़ियाबाद पुलिस का लक्ष्य है—सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम ट्रैफिक सिस्टम।

गाज़ियाबाद ,करंट क्राइम। गाज़ियाबाद पुलिस कमिश्नरेट शहर की यातायात व्यवस्था को सुरक्षित, सुगम और तेज बनाने के लिए लगातार नए बदलाव लागू कर रहा है। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड ने शुक्रवार को ट्रांस-हिंदन क्षेत्र के मोहननगर में ट्रैफिक कंट्रोल के नए कार्यालय का उद्घाटन किया। यह कार्यालय मीटा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सीआरसी पहल के तहत स्थापित किया गया है, जिससे क्षेत्र में त्वरित ट्रैफिक प्रबंधन और बेहतर पर्यवेक्षण संभव होगा।

कमिश्न ने यातायात व्यवस्था को पुनर्गठित करते हुए 03 जोन और 09 सब-जोन बनाए हैं, जहां जोन स्तर पर एसीपी (यातायात) और सब-जोन स्तर पर ट्रैफिक इंस्पेक्टर की तैनाती की गई है। पुलिस आयुक्त ने उद्घाटन के दौरान निर्देशित किया कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मनोयोग और प्रभावशीलता के साथ कार्य करते हुए शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को और उन्नत बनाएं। उन्होंने कहा कि सर्दी और कोहरे के बढ़ते दौर में सड़क हादसों को रोकना प्राथमिकता है, इसलिए प्रमुख चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस फोर्स और ट्रैफिक कर्मी तैनात किए जाएंगे।

तीन या 13 की गिनती में होती थी सुनील शर्मा की गिनाई

खामोश हो गये विरोधी जब सरकारी वाली लिस्ट में दिया 13 नम्बर पर उनका नाम दिखाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में हमेशा अपने विरोधियों को जवाब के बदले जवाब नहीं दिया जाता है। कई बार उपलब्धियों से भी जवाब दिया जाता है, कई बार बिना कहे कुछ ऐसा हो जाता है कि विरोधियों का विरोध अपने आप शांत हो जाता है। साहिबाबाद विधानसभा में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के अलवा एक और भाजपाई सुनील शर्मा हैं।

सुनील शर्मा भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ के महानगर संयोजक हैं। मुद्दों को लेकर एक्टिव रहते हैं। दिव्यांगों की समस्याओं के लेकर हमेशा मुखर रहते हैं। उनके पास अपनी टीम है और कहा ये जाता है कि दो घंटे के शॉट नोटिस में वो एक बड़ी भीड़ को जोड़ लेने की ताकत रखते हैं। लगातार दिव्यांगों क लिए काम किया है। भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ताओं में उनकी गिनती होती है। उन्हें सरकार ने सम्मान दिया है और वो दिव्यांगों के लिए गठित राज्य सलाहकार बोर्ड में सदस्य नामित किये गये हैं। ये एक बड़ी सफलता है। सुनील शर्मा ने करंट क्राइम से बातचीत में कहा कि वह अपनी इस उपलब्धि के लिए सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हैं, पार्टी संगठन का आभार व्यक्त करते हैं। यह उपलब्धि उनकी नहीं बल्कि वास्तव में एक कार्यकर्ता का सम्मान हैं।

हालाकि यहां उन्होंने एक रोचक बात बताई और कहा कि इस सम्मान को पाकर मैं अभिभूत हूं लेकिन मैं उन लोगों की बात जरूर कहूंगा जो हैरान हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे भी लोग हैं जो मुझे तीन और तेहरा की किसी गिनती में नहीं गिनते थे। लेकिन वास्तव में उन्हें सही जवाब मिला है जो कि ये लिस्ट आयी है । इस लिस्ट में मेरा नाम 13 वें स्थान पर है। उन्होंने बताया कि बीस लोग पूरे उत्तर प्रदेश से चुने गये हैं और मेरा नम्बर 13 वें स्थान पर है।

गाजियाबाद डीएम रविन्द्र कुमार मांदड़ सेलेक्शन ग्रेड में चयनित

गाजियाबाद करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश शासन ने आईएएस 2013 बैच के अधिकारियों को सेलेक्शन ग्रेड देने का आदेश जारी किया है। सूची में गाजियाबाद के जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ का नाम भी शामिल है। वे 1 जनवरी 2026 से नये वेतनमान में कार्यभार ग्रहण करेंगे और वर्ष 2026 में होने वाले मिड करियर ट्रेनिंग प्रोग्राम-फेज 3 में भी भाग लेंगे। गौरतलब है कि गाजियाबाद के जिलाधिकारी के रूप में रविन्द्र कुमार मांदड़ ने बहुत कम समय में एक न्यायप्रिय अधिकारी के रूप में अपनी जनछवि का निर्माण किया है। यह चयन उनके प्रशासनिक कार्यों और प्रदर्शन की महत्वपूर्ण स्वीकृति माना जा रहा है।

संपादकीय

हेट क्राइम पर सख्ती

कर्नाटक विधानसभा में हेट स्पीच और हेट क्राइम के खिलाफ कड़े प्रावधानों वाला बिल पेश किया गया है। इसका उद्देश्य समाज में वैमनस्य फैलाने वाले बयानों और अपराधों को नियंत्रित करना है, लेकिन इसके दुरुपयोग की आशंका भी जताई जा रही है। कर्नाटक विधानसभा में हेट स्पीच और हेट क्राइम के खिलाफ बिल पेश किया गया है। इसका मकसद है नफरत और घृणा फैलाने वाले अपराधों व बयानों को नियंत्रित करना। अक्सर कई ऐसे बयान आते रहते हैं, जिससे समाज में वैमनस्य बढ़ता है। इसे देखते हुए ऐसे कानून जरूरी लगते हैं, लेकिन इसके साथ चिंता भी है - दुरुपयोग की। कड़ी सजा बिल के प्रावधान बेहद कड़े हैं। पहली गलती पर एक से 7 साल की सजा और दोबारा गलती होने पर 2 से 10 साल की सजा मिल सकती है। साथ में, जुमार्ना भी है। विधेयक में हेट क्राइम और हेट स्पीच को विस्तृत रूप से परिभाषित किया गया है और इसका दायरा बहुत बड़ा है, जिसमें सार्वजनिक बयानबाजी से लेकर ऑनलाइन निगरानी तक शामिल है।

सुप्रीम चिंता इसमें शक नहीं कि नफरत फैलाने वाले बयान और कृत्य इस समय की एक बड़ी परेशानी हैं, जिनसे कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती खड़ी हो जाती है। सामाजिक सद्भाव को भी चोट पहुंचती है। सुप्रीम कोर्ट कई मौकों पर इस बारे में चिंता जता चुका है। 2018 में शीर्ष अदालत ने हेट क्राइम की निंदा करते हुए कहा था कि नागरिकों की जान की रक्षा करना राज्य का कर्तव्य है। उसी साल तहसीन पूनावाला जजमेंट आया, जिसमें राज्यों के लिए कई दिशा-निर्देश थे।

आलोचना और नफरत लेकिन, जब इतना कड़ा कानून आता है, तो उसके दुरुपयोग की आशंका भी बढ़ जाती है। भले ही बिल में अपराध की विस्तृत व्याख्या की गई हो, लेकिन असल चुनौती है इसे लागू करने में। कौन-सी बात नफरत फैलाने वाली है और कहां आलोचना की गई है - इसमें समझ का थोड़ा भी अंतर बड़ा टकराव पैदा कर सकता है। इसी तरह, असहमति के अधिकार को भी सुरक्षित रखने की जरूरत है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बिल में सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लैटफॉर्म को भी शामिल किया गया है। इंटरनेट पर जिस तेजी से दुष्प्रचार और वैमनस्य बढ़ाने वाले कंटेंट बढ़े हैं, उसे देखते हुए बिल उपयोगी हो सकता है, पर यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के आड़े नहीं आना चाहिए। बिल को लेकर कई आशंकाएं और राजनीतिक विरोध है। कर्नाटक इखढ का आरोप है कि यह बिल खास समूह को निशाना बनाने के लिए लाया जा रहा है। ऐसे में यह जरूरी है कि इस तरह का इंतजाम और निगरानी हो कि यह बिल किसी से बदला लेने का नहीं, बल्कि शांति कायम करने का टूल बने।

कैबिनेट की बड़ी मंजूरी: 2027 जनगणना के लिए 11,718 करोड़

कोलसेटू नीति व खोपरा MSP पर अहम फैसले

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने जनगणना 2027 के लिए 11,718 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही कोलसेटू नीति और खोपरा टरढ 2025 पर भी अहम फैसले लिए गए हैं। जानें आजादी के बाद की 8वीं जनगणना से जुड़ी खास बातें।

कैबिनेट ने शुक्रवार को तीन महत्वपूर्ण फैसलों का मंजूरी दी। कैबिनेट ने जनगणना के लिए 11,718 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री मंडल ने कोयला लिंकेज नीति में सुधार के लिए कोलसेटू नीति को भी मंजूरी दी है। सरकार ने खोपरा 2025 सीजन के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को भी नीतिगत मंजूरी दे दी है।

जनगणना 2027 के बारे में केंद्रीय मंत्री ने क्या बताया?

कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जनगणना 2027 की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि विश्व का सबसे बड़ा प्रशासनिक और सांख्यिकीय अभ्यास होगा। जनगणना 2027 अब तक की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी। जनगणना केंद्र का विषय है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश में जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के तहत इसे किया जाता है। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। कोविड महामारी के कारण जनगणना 2021 आयोजित नहीं की जा सकी। इससे पहले 16 जून 2025 को जनगणना 2027 की राजपत्र अधिसूचना जारी की गई। जनगणना 2027 की अनुमानित लागत 11,718 करोड़ रुपये होगी

दो चरणों में होगी जनगणना

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जनगणना की संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 को 00:00 बजे होगी। बर्फ से ढके क्षेत्रों के लिए यह तिथि 1 अक्तूबर 2026 को 00:00 बजे होगी। वैष्णव ने कहा, जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में मकान सूचीकरण और आवास जनगणना (लछड) होगी। इसे अप्रैल से सितंबर 2026 तक अंजाम दिया जाएगा। दूसरे चरण में जनसंख्या की गिनती (ढए) होगी। यह फरवरी 2027 से शुरू होगी। बर्फ से ढके क्षेत्रों में सितंबर 2026 से शुरू होगी।

30 लाख लोग जनगणना को देंगे अंजाम

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जाति गणना को भी जनगणना 2027 में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार स्व-गणना का भी विकल्प प्रदान किया जाएगा। जनगणना-एक-सेवा (उंर) विभिन्न मंत्रालयों/राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों को उपयोगकर्ता के अनुकूल, मशीन-पठनीय और कार्रवाई योग्य प्रारूप में डैशबोर्ड जैसी सुविधाओं के साथ डेटा उपलब्ध कराएगी। जनगणना के दौरान राष्ट्रव्यापी जागरूकता, समावेशी भागीदारी, अंतिम छोर तक जुड़ाव और जमीनी कार्यों के समर्थन के लिए लक्षित और व्यापक प्रचार अभियान चलाया जाएगा। इस कार्य में लगभग 30 लाख जमीनी कार्यकर्ता शामिल होंगे और 1.02 करोड़ मानव-दिवस का रोजगार सृजित होगा।

इससे पहले, सरकार की कैबिनेट बैठक को लेकर कई बड़े दावे सामने आए।

सूत्रों के अनुसार, मनरेगा का नाम बदलकर ह्यपूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना किए जाने पर विचार हो सकता है। बताया जा रहा है कि ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम की पहचान और प्रभाव को नया रूप देने के उद्देश्य से यह बदलाव प्रस्तावित है।

कठिन दौर में इंडिगो को बड़ा झटका

डीजीसीए ने 4 फ्लाइट इंस्पेक्टर निलंबित किए

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो अपने इतिहास के सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। इसी बीच डीजीसीए ने बड़ा कदम उठाते हुए परिचालन में गड़बड़ी के लिए चार फ्लाइट इंस्पेक्टर निलंबित कर दिए।

भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो बीते कुछ दिन से अपने इतिहास के सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। रोजाना लगभग 2300 फ्लाइट्स ऑपरेट करने वाली और घरेलू एविएशन मार्केट में 60% से भी अधिक हिस्सेदारी रखने वाली इस एयरलाइन का मार्केट कैप मौजूदा संकट के बाद करीब 21,000 करोड़ रुपये तक घट चुका है। इसी बीच इंडिगो के परिचालन में उपजे संकट के 11वें दिन नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत डीजीसीए ने चार फ्लाइट इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया है। डीजीसीए ने ये कदम ऐसे समय में उठाया है जब गुरुवार को ही इंडिगो ने हालिया संकट से प्रभावित हुए यात्रियों के लिए रिफंड के बाद अब अतिरिक्त मुआवजे का एलान किया है। वहीं गुरुवार को ही दूसरी बार इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स डीजीसीए के समक्ष पेश हुए। बता दें कि इंडिगो ने शुक्रवार को भी बंगलूरू एयरपोर्ट से 54 उड़ानें रद्द की, जिनमें 31 आगमन और 23 प्रस्थान उड़ानें शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को दिल्ली और बंगलूरू से 200 से अधिक उड़ानें रद्द हो चुकी थीं।

डीजीसीए ने तेज की जांच

हालांकि दूसरी ओर डीजीसीए ने इंडिगो संकट के बीच अपनी जांच तेज कर दी है। अधिकारी एयरलाइन के मुख्यालय पर तैनात हैं और संचालन पर नजर रख रहे हैं। जांच समिति में जॉइंट डायरेक्टर जनरल संजय ब्रह्माने, डिप्टी डायरेक्टर जनरल अमित गुप्ता, वरिष्ठ एफओआई कपिल मंगलीक और एफओआई लोकेश रामपाल शामिल हैं।

रोचक तथ्यों का करंट

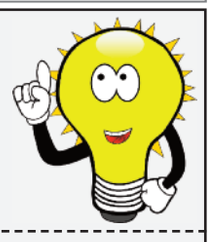

- कई आइसलैंड निवासियों के लिए, विश्व युद्ध 2 वास्तव में 'धन्यवाद युद्ध' के रूप में जाना जाता है क्योंकि देश की आजादी के लिए धन्यवाद देने का युद्ध है।
- स्टीव जॉब्स मृत्युसैय्या पर थे, तो उन्होंने पांच अलग ऑक्सीजन मास्क मांगे ताकि वह सर्वश्रेष्ठ डिजाइन के साथ एक चुन सकें।
- यदि आप वास्तविक जीवन में राक्षसों और पिशाचों के बारे में जानना चाहते हैं, तो आप एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में पैराप्सिओलॉजी में पीएचडी प्राप्त कर सकते हैं।
- स्पाइन्राजा, रीढ़ की हड्डी के मांसपेशी एट्रोफी के लिए एक दवा, की कीमत $ 750,000 है।
- जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ता है, फूल कम खुशबु छोड़ रहे हैं।
- अमेजॅन का सबसे बड़ा गोदाम 17 अमेरिकी फुटबॉल क्षेत्रों के आकार जितना बड़ा है।
- इंग्लैंड में रहने वाले 770,000 लोग अंग्रेजी में अच्छी तरह से बात नहीं कर सकते हैं।
- दुनिया में सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला पासवर्ड 123456 है।

रोजगार को मजबूत किए बिना विकास मुश्किल: एनसीएईआर रिपोर्ट का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। श्रम प्रधान क्षेत्रों में रोजगार के अवसर को मजबूत करने से भारत की जीडीपी वृद्धि को बनाए रखने में मदद मिल सकती है। राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार आय में सुधार के साथ-साथ विकास को बनाए रखने के लिए रोजगार को एक केंद्रीय स्तंभ बताया गया है। हालांकि देश की अर्थव्यवस्था में लगातार विस्तार हो रहा है, लेकिन रोजगार सृजन की गति और गुणवत्ता असमान बनी हुई है। खासकार उन क्षेत्रों में जहां बड़ी संख्या में श्रमिक कार्यरत हैं।

स्वरोजगार में हुई वृद्धि

रिपोर्ट में पाया गया है कि हाल ही में रोजगार में हुई वृद्धि मुख्य रूप से स्वरोजगार में वृद्धि के कारण हुई है, न कि नियमित वेतन वाली नौकरियों या कुशल काम की ओर तेजी से बदलाव के कारण। रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रवृत्ति उत्पादकता में वृद्धि और आय में वृद्धि को सीमित करती है।

रोजगार में कौशल, ऋण और प्रौद्योगिकी की भूमिका

इस अध्ययन में रोजगार विस्तार में कौशल, ऋण और प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। इसमें कहा गया है कि डिजिटल तकनीकों का उपयोग करने वाले उद्यम, इनका उपयोग न करने वाले उद्यमों की तुलना में 78 प्रतिशत अधिक कर्मचारियों को नियुक्त करते हैं, और ऋण तक पहुंच में थोड़ी सी भी वृद्धि से भर्ती में तेजी से बढ़ोतरी होती है। कार्यबल के संदर्भ में, रिपोर्ट कहती है कि भारत को कौशल विकास से लाभ होता है, विशेष रूप से तब जब नई प्रौद्योगिकियां और एआई नौकरियों को नया स्वरूप दे रही हैं इसमें आगे कहा गया है कि मध्यम कौशल वाले रोजगार सेवा क्षेत्र में रोजगार वृद्धि को बढ़ावा देते हैं, जबकि विनिर्माण क्षेत्र मुख्य रूप से कम कौशल वाले रोजगारों पर निर्भर है। अध्ययन के अनुसार, औपचारिक कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से कुशल कार्यबल की हिस्सेदारी बढ़ाकर 2030 तक श्रम-प्रधान क्षेत्रों में रोजगार को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया जा सकता है।

भारतीय बाजार में बड़ी छलांग - सेंसेक्स 85,267 और निफ्टी 26,000 के पार

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 449.53 अंक उछलकर 85,267.66 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 148.40 अंक की बढ़त के साथ 26,046.95 पर बंद हुआ।

धातु शेयरों में खरीदारी और सकारात्मक वैश्विक रुझानों के चलते शुक्रवार को बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स में लगभग 450 अंकों की तेजी आई। वहीं व्यापक निफ्टी 26,000 के स्तर से ऊपर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 449.53 अंक या 0.53 प्रतिशत चढ़कर 85,267.66 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 502.69 अंक या 0.59 प्रतिशत बढ़कर 85,320.82 पर पहुंच गया था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 148.40 अंक या 0.55 प्रतिशत बढ़कर 26,046.95 पर बंद हुआ। शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे गिरकर सर्वकालिक निचले स्तर 90.41 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स कंपनियों में टाटा स्टील, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, लार्सन एंड टुब्रो, मारुति और भारती एयरटेल प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियां रहीं। वहीं, हिंदुस्तान यूनिलीवर, सन फार्मा, आईटीसी और एशियन पेंट्स पिछड़ने वालों में शामिल थे।

फेड के फैसलों से वैश्विक धारणा में हुआ सुधार

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती के बाद वैश्विक जोखिम लेने की प्रवृत्ति में सुधार हुआ है, जिससे तरलता को लेकर आशावाद बढ़ा है और रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने और विदेशी निवेशकों (एफआईआई) के लगातार बहिर्वाह के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में तेजी आई है। व्यापक सूचकांक खरीदारी के रुझान दिखा रहे हैं और हालिया समेकन के बाद वापसी कर रहे हैं।

यूरोपीय बाजारों में दिखी बढ़त

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक सकारात्मक दायरे में स्थिर हुए। यूरोपीय बाजारों में तेजी देखी गई। गुरुवार को अमेरिकी बाजार भी अधिकतर तेजी के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 61.25 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 0.05 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 61.25 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 2,020.94 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,796.07 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। गुरुवार को सेंसेक्स 426.86 अंक या 0.51 प्रतिशत बढ़कर 84,818.13 पर बंद हुआ। निफ्टी 140.55 अंक या 0.55 प्रतिशत बढ़कर 25,898.55 पर पहुंच गया।

राशिफल

मेष: आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष: जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन: शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह: व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या: प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला: कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

धनु: आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ: किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

टीटू की दो करोड़ की लॉटरी निकली
लॉटरीवाला- आपको टैक्स काटकर 1.75 करोड़ मिलेंगे।
टीटू- ये गलत बात है, मुझे पूरे 2 करोड़ दो नहीं तो मेरे टिकट के 100 रुपये वापस करो।

वाइफ- हम कहां जा रहे हैं?
हस्बैंड- लॉन्ग ड्राइव पर।
वाइफ- तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया?
हस्बैंड- मुझे भी अभी-अभी पता चला, जब ब्रेक फेल हो गए।

रोड पर शराब पीकर घूम रह था शराबी मोलू, तभी एक्सीडेंट हुआ और पैर टूट गए
डॉक्टर- तुम्हें अब चलने के लिए वॉकर लेना पड़ेगा।
शराबी- जॉनी वॉकर ले लूं तो चलेगा?

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

युवराज सिंह बर्थडे : लोगों को कभी हार न मानना सिखाया, 12 नंबर की जर्सी ही क्यों पहनी

नई दिल्ली। युवराज सिंह केवल क्रिकेटर नहीं, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने खेल के मैदान पर और जीवन की लड़ाइयों में कभी हार नहीं मानी। उनका जीवन, 12 नंबर की जर्सी और मैदान पर उनका निडर प्रदर्शन, हर पीढ़ी को यह सिखाता है कि संघर्ष और आत्मविश्वास से किसी भी चुनौती को मात दी जा सकती है।

भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। 12 दिसंबर 1981 को चंडीगढ़ में जन्मे युवराज ने अपने जीवन के 44 साल पूरे कर लिए हैं। मैदान पर वह हमेशा मैच विजेता के रूप में जाने गए। टीम इंडिया के लिए कठिन हालात में उन्होंने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी से कई अहम मैच जिताए। वह दो बार भारत की विश्व विजेता क्रिकेट टीम का हिस्सा रहे और 2011 क्रिकेट विश्व कप में उनकी भूमिका अमूल्य रही। युवराज ने न केवल खेल में बल्कि जीवन की चुनौतियों में भी कभी हार नहीं मानी। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ने के बाद उन्होंने वापसी की और अपने करियर को नई बुलंदियों तक पहुंचाया।

युवराज ने अपने करियर में हमेशा 12 नंबर की जर्सी पहनी। यह सिर्फ एक नंबर नहीं, बल्कि उनके जीवन और करियर का प्रतीक बन गया। इसका कारण भी बेहद रोचक है। उनका जन्म 12 दिसंबर को, 12 बजे दोपहर, चंडीगढ़ के सेक्टर 12 में हुआ था। यही कारण है कि उन्होंने अपनी जर्सी में हमेशा यह नंबर अपनाया और यह नंबर उनके लिए भाग्यशाली साबित हुआ।

युवराज सिंह ने 2007 के टी-20 क्रिकेट विश्व कप में क्रिकेट प्रेमियों को एक अविस्मरणीय पल दिया। इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में उन्होंने छह छक्के लगाकर इतिहास रचा। इस प्रदर्शन ने न केवल भारत को जीत दिलाई, बल्कि युवराज को युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बना दिया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 30 गेंद में 70 रन की धमाकेदार पारी ने भारत को फाइनल में पहुंचाया और फिर टीम इंडिया खिताब जीतने में कामयाब रही। चाहे नेटवेस्ट सीरीज हो या टी20 विश्व कप 2007, युवराज ने हमेशा टीम इंडिया को मुश्किल परिस्थितियों से निकाला, कभी अपनी बल्लेबाजी से, तो कभी अपनी गेंदबाजी से वह कमाल दिखाते रहे।

युवराज ने अपने अनुभव और कौशल से टीम के युवाओं को आत्मविश्वास दिया। कैंसर जैसी बीमारी से उबरने के बाद उन्होंने इस विश्व कप में देश के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का जादू दिखाया, और उन्हें भारतीय क्रिकेट का सच्चा हीरो माना गया।

2011 विश्व कप: देश का हीरो

2011 के क्रिकेट विश्व कप में युवराज ने गेंद और बल्ले दोनों से भारत को जीत दिलाई। उनकी बहादुरी और आत्मविश्वास ने साबित किया कि संकट की घड़ी में एक खिलाड़ी कैसे पूरी टीम की उम्मीदों को जिंदा रख सकता है। इस टूर्नामेंट में युवराज की गेंदबाजी और महत्वपूर्ण पारियों ने उन्हें देश का नायक बना दिया। लगभग हर मैच में वह भारत के संकटमोचक बने। सेमीफाइनल और फाइनल में उनके महत्वपूर्ण योगदान ने टीम को मुश्किल हालात में संभाला। उनकी निडर बल्लेबाजी और गेंदबाजी ने भारत को इतिहास रचने में मदद की।

लियोनल मेसी से हाथ मिलाने के लिए फैंस को देने होंगे रुपये

नई दिल्ली। आयोजकों के मुताबिक यह एक जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव है और कीमत देखकर यह बात सच भी लगती है। मेसी चार शहरों में जाएंगे। इनमें कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली शामिल हैं।

फुटबॉल के महान खिलाड़ियों में शुमार लियोनेल मेसी आखिरकार भारत आ रहे हैं, लेकिन अगर आप गोल्डन मौका पाना चाहते हैं और उनके साथ हाथ मिलाना चाहते हैं, तो आपको भारी-भरकम कीमत चुकानी पड़ेगी। मेसी के ऋ्ड.अ.ळ टूर के तहत आयोजित मीट एंड ग्रीट पैकेज की कीमत रखी गई है पूरे 10 लाख रुपये। इस पैकेज में मेसी के साथ हाथ मिलाने का मौका, छह लोगों के साथ एक प्रोफेशनल ग्रुप फोटो और प्रीमियम लाउंज का एक्सेस, जहां गॉरमेट खाना और नॉन-अल्कोहोलिक ड्रिंक्स मिलेंगी, शामिल हैं। मीट एंड ग्रीट वाले पास सिर्फ मुंबई और दिल्ली लेग के लिए हैं। इसके अलावा मेसी कोलकाता और हैदराबाद भी जाएंगे। आयोजकों के मुताबिक यह एक जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव है और कीमत देखकर यह बात सच भी लगती है।

भारत में मेसी का पूरा शेड्यूल

मेसी 12 दिसंबर को देर रात 1:30 बजे (13 दिसंबर) कोलकाता पहुंचेंगे। मीट एंड ग्रीट की सुविधा सिर्फ मुंबई और दिल्ली के लिए हैं। यह केवल उन्हीं के लिए, जो 10 लाख रुपये चुका सकेंगे (एक आदमी के हाथ मिलाने का 10 लाख रुपये)। भारत में मेसी सिर्फ अकेले नहीं होंगे। उनके साथ इंटर मियामी के उनके साथी लुइस सुआरेज और अर्जेंटीनी टीम मेट रोड्रिगो डी पॉल भी होंगे। दोनों मेसी के बेहद करीबी माने जाते हैं।

लियोनल मेसी का भारत दौरा: कोलकाता से दिल्ली तक, हर कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी; तीन दिन में क्या-क्या करेंगे?

हैदराबाद: राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में 7५7 एग्जिबिशन मैच, जिसमें तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी खेलेंगे। **मुंबई:** चैरिटी फैशन शो और मेसी की 2022 विश्व कप जर्सी और मेमोराबिलिया की नीलामी। **दिल्ली:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात और समापन कार्यक्रम। बाकी शहरों में आम टिकट 4,500 रुपये से शुरू हैं, जबकि मुंबई में टिकट की शुरूआती कीमत 8,250 रुपये है। भारतीय फुटबॉल अभी अपने सबसे कठिन समय में है। शासन, फंडिंग और प्रदर्शन, सभी मोर्चों पर चुनौतियां मौजूद हैं। भारत में मेसी को देखने का मौका दुर्लभ ह और यह दौरा फुटबॉल प्रेमियों के लिए किसी त्यौहार जैसा बन गया है।

10 किमी दौड़ का नेतृत्व करेगा ऑल-वुमेन पेसर स्क्वॉड, 25 किमी में उतरेगी डिफेंस टीम

कोलकाता। 10 किलोमीटर की रेस में सबसे प्रेरक पेसर्स में कोलकाता की रोशनी गुहाठाकुरता भी शामिल हैं। जन्म से द्विपाद क्लबफुट से जूझीं और बचपन में बड़ी सर्जरी के बाद चलने योग्य हुईं रोशनी आज एक सफल मैराथन और अल्ट्रा रनर हैं। वे 85 मिनट बस पेस को लीड करेंगी।

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता के 10वें संस्करण में इस बार 22 प्रेरक पेसर शामिल किए गए हैं, जो 21 दिसंबर को हजारों धावकों को सही गति देने के लिए ट्रैक पर उतरेंगे। विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल से सम्मानित यह दुनिया की पहली 25 किलोमीटर रोड रेस है। इस वर्ष पेसर्स का समूह विविधता और प्रेरणा का

अद्भुत संगम पेश कर रहा है। इनमें सीमाओं पर देश सेवा कर चुके रक्षा बलों के जवान, चुनौतियों को पछाड़कर दौड़ को अपनाने वाली महिलाएं और अपने व्यस्त पेशे के बीच फिटनेस को जीवन का हिस्सा बनाने वाले लोग शामिल हैं। यह सभी टाटा स्टील वर्ल्ड 25'२ की 'डिकेड ऑफ डिफरेंस' थीम को साकार करते हैं।

10 किलोमीटर की रेस में सबसे प्रेरक पेसर्स में कोलकाता की रोशनी गुहाठाकुरता भी शामिल हैं। जन्म से द्विपाद क्लबफुट से जूझीं और बचपन में बड़ी सर्जरी के बाद चलने योग्य हुईं रोशनी आज एक सफल मैराथन और अल्ट्रा रनर हैं। वे 85 मिनट बस पेस को लीड करेंगी।

उद्यमी और चांदागिनी की संस्थापक चंदा आहूजा 75 मिनट बस पेस का नेतृत्व करेंगी, जबकि नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सस्वती विश्वास 60 मिनट समूह को गति देंगी। दिल्ली के कार्तिकेय पांडे, जिन्होंने महामारी के दौरान 95 किलो से 77 किलो तक का परिवर्तन किया और अब पोडियम पर जगह बना रहे हैं, 2:05 घंटे बस को लीड करेंगे। कोलकाता के कारगिल युद्ध के पूर्व सैनिक और कॉमरेड्स मैराथन ब्रॉन्ज मेडलिस्ट बापी भट्टाचार्य 2:40 घंटे बस पेसर रहेंगे। प्रोकेम इंटरनेशनल के संयुक्त प्रबंध निदेशक विवेक सिंह ने कहा कि पेसिंग एक निस्वार्थ कार्य है और 10वें संस्करण में हमारे पेसर्स इस आयोजन की असली भावना को दर्शाते हैं। रक्षा बलों की अनुशासनशील टीम 25 किलोमीटर रेस का नेतृत्व करेगी, जबकि 10 किलोमीटर में ऑल-वुमेन स्क्वाड प्रेरणा का नया आयाम जोड़ेगी।

इसमें अलिना गोपरमा शेर्पा (58 मिनट), डॉ. सस्वती विश्वास (60 मिनट), उमा देवी शर्मा (65 मिनट, कल्याणी), ज्योति साबू (70 मिनट), शोभा अग्रवाल (75 मिनट), चंदा आहूजा (75 मिनट), नम्रता अग्रवाल (80 मिनट), रोशनी गुहाठाकुरता (85 मिनट) और प्रियंती दत्ता (88 मिनट) सभी पेसर्स कोलकाता से शामिल हैं।

अंडर-19 एशिया कप में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी का धमाका

56 गेंदों में लगाई सेंचुरी; 2025 का छठा शतक

दुबई। यह सूर्यवंशी का लिस्ट-ए क्रिकेट में दूसरा शतक था। इससे पहले वह इंग्लैंड में भी एक शतक जमा चुके हैं। 2025 में यह उनका छठा शतक है, जो उनकी जबरदस्त निरंतरता को दशार्ता है।

भारत के उभरते युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए शुक्रवार, 12 दिसंबर को दुबई के आईसीसी अकादमी मैदान पर अंडर-19 एशिया कप के शुरूआती मैच में यूएई के खिलाफ सिर्फ 56 गेंदों में तूफानी शतक ठोक दिया। 14 वर्षीय वैभव ने भारत को बेहतरीन शुरूआत दिलाई। भारत को पहले बल्लेबाजी मिली और सूर्यवंशी ने शुरूआत से ही दबदबा बनाया।

2025 में छठा शतक, शानदार निरंतरता

यह सूर्यवंशी का लिस्ट-ए क्रिकेट में दूसरा शतक था। इससे पहले वह इंग्लैंड में भी एक शतक जमा चुके हैं। 2025 में यह उनका छठा शतक है, जो उनकी जबरदस्त निरंतरता को दशार्ता है। यूएई के खिलाफ भारत के कप्तान आयुष म्हात्रे चार रन बनाकर आउट हुए। वहीं, एरॉन जॉर्ज ने 69 रन की पारी खेली। वैभव के शतक की बदौलत भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में छह विकेट पर 433 रन बनाए। विहान मल्होत्रा ने 69 रन बनाए। वहीं, वेदांत ने 38 रन, अभिज्ञान कुंडू ने 17 गेंद में नाबाद 32 रन और कनिष्क चौहान ने 12 गेंद में 28 रन की पारी खेली।

चौकों-छक्कों से लबालब पारी

वैभव ने 95 गेंदों में 171 रन की पारी खेली और इस पारी में नौ चौके और 14 छक्के लगाए। उन्होंने शुरूआत में सधी हुई बल्लेबाजी की और छठी गेंद पर चौका लगाकर खाता खोला। इसके बाद उन्होंने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अली असगर को अगले ओवर में दो छक्के जड़ते हुए तेजी पकड़ ली। उन्होंने 30 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया और उसके बाद बड़े शॉट्स लगाने शुरू किए। 85 के स्कोर पर उन्हें लॉन्ग-ऑफ पर जीवनदान भी मिला। आखिरकार, उन्होंने 56 गेंदों में अपना बड़ा शतक पूरा किया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी चमके

हाल ही में सूर्यवंशी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में महाराष्ट्र के खिलाफ अपना पहला टी20 शतक जड़ा। उन्होंने सिर्फ 57 गेंदों में 108 रन* बनाए, जिसमें सात छक्के और सात चौके शामिल थे। उनकी इस पारी के दम पर बिहार ने 20 ओवर में 176/3 का मजबूत स्कोर बनाया था।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप और IPL में भी सुपरस्टार प्रदर्शन

दोहा में हुए राइजिंग स्टार्स एशिया कप में वह भारत ए टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ी थे। भले ही भारत सेमीफाइनल हार गया, लेकिन वैभव ने टूर्नामेंट में 239 रन बनाए, जिसमें यूएई के खिलाफ 32 गेंदों में शतक भी शामिल था। सिर्फ 12 साल की उम्र में रणजी डेब्यू करने वाले वैभव ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए भी देशभर में सुर्खियां बटोरीं। अपने पहले क्छछ सीजन में उन्होंने 206.55 का स्ट्राइक रेट बनाए रखा और गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंदों में 101 रन जड़कर आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड बनाया और सबसे कम उम्र के आईपीएल शतकवीर बन गए।

पठान ने टी-20 उपकप्तान गिल पर साधा निशाना बोले- उनके खराब फॉर्म से टीम मैनेजमेंट पर बढ़ रहा दबाव

नई दिल्ली। पठान ने कहा, 'सूर्यकुमार पर भी दबाव होगा क्योंकि वह कप्तान हैं और कप्तान होने के नाते अंतिम एकादश में आपकी जगह स्वतः ही पक्की हो जाती है। एक खिलाड़ी के तौर पर अगर आपने एक साल में रन नहीं बनाए हैं, तो आप दबाव में होते हैं।'

भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि शुभमन गिल की खराब फॉर्म न केवल उन पर व्यक्तिगत रूप से बल्कि टीम प्रबंधन पर भी दबाव बढ़ा रही है। पठान ने जियो हॉटस्टार पर कहा कि संजू सैमसन को वापस लाकर पहले की तरह के सफल बल्लेबाजी संयोजन को बहाल करना भी उतना आसान नहीं होगा, क्योंकि केरल के इस खिलाड़ी को भी अपनी लय वापस पाने में कुछ समय लगेगा।

सैमसन की जगह गिल को मौका: भारत के लिए टी20 में सलामी बल्लेबाज के तौर पर सैमसन काफी सफल रहे थे। इसके बाद जब गिल को टी20 उप-कप्तान बनाया गया तो सैमसन की जगह उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारा गया। भारत की टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान गिल हालांकि खेल के सबसे छोटे प्रारूप में रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाए।

'गिल ने अच्छी गेंद पर विकेट गंवाया'

पठान ने कहा, 'शुभमन गिल कह सकते हैं कि

उन्होंने एक बहुत अच्छी गेंद पर अपना विकेट गंवाया। अगर गिल फॉर्म में होते तो वे उस गेंद को आसानी से खेल लेते। वे फॉर्म में नहीं हैं। जहां तक कप्तान सूर्यकुमार यादव की बात है तो मुझे लगता है कि उन्हें अपने ऑफ साइड के खेल पर ध्यान देने की जरूरत है। जब वे आउट हुए तो वे पूरी तरह से गलत पोजीशन में थे।'

'गिल का रन नहीं बना पाना एक बुरा संकेत'

उन्होंने कहा, 'गिल का रन नहीं बना पाना एक बुरा संकेत है और इससे उन पर और टीम प्रबंधन पर दबाव बढ़ जाता है। वे सोच रहे होंगे कि क्या किया जाए। यह स्थिति और खराब नहीं होनी चाहिए।

अगर उनसे फिर भी रन नहीं बन पा रहे हैं तो आप संजू सैमसन को वापस लाकर उनसे तुरंत अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद नहीं कर सकते, खासकर तब जब वह भी लय में न हों। इससे कई सवाल पैदा हो गए हैं। अगर वे सैमसन को वापस अंतिम एकादश में शामिल करते हैं, तो उनके लिए रन बनाना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।'

'SKY कप्तानी संभालने के बाद बड़ा स्कोर नहीं बना पाए'

उन्होंने सूर्यकुमार की मुश्किलों का भी जिक्र किया, जो कप्तानी संभालने के बाद से कोई बड़ा स्कोर नहीं बना पाए हैं। पठान ने कहा, 'सूर्या पर दबाव होगा क्योंकि वह कप्तान हैं और कप्तान होने के नाते अंतिम एकादश में आपकी जगह स्वतः ही पक्की हो जाती है। एक खिलाड़ी के तौर पर अगर आपने एक साल में रन नहीं बनाए हैं, तो आप दबाव में होते हैं।'

'सूर्यकुमार को बेहतर शॉट चयन की जरूरत'

उन्होंने कहा, 'विश्व कप (अगले साल फरवरी-मार्च में) से पहले उन्हें अपनी फॉर्म में वापसी करनी होगी। उन्हें बल्लेबाजी की सही स्थिति और बेहतर शॉट चयन की जरूरत है। सूर्या लेग साइड की तरफ सीधी गेंद पर आउट हो रहे हैं। जब आप इस तरह से आउट हो रहे हैं तो आपको ऑफ साइड में अधिक खेलने की कोशिश करनी चाहिए।'

सूर्यकुमार को बचा रहा टीम मैनेजमेंट, नंबर-3 पर अक्षर को भेजने पर उठे गंभीर सवाल

मुल्लांपुर। पांच मैचों की टी20 सीरीज अब 1-1 से बराबर है। तीसरा टी20 मैच 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाएगा और टीम इंडिया के लिए यह केवल मैच नहीं बल्कि सूर्यकुमार की फॉर्म, भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुल्लांपुर में खेले गए टी20 मुकाबले में टीम इंडिया की बल्लेबाजी रणनीति को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। क्रिकेट पंडित रॉबिन उथप्पा और डेल स्टेन ने भारत द्वारा सूर्यकुमार यादव की जगह अक्षर पटेल को नंबर-तीन पर भेजने के फैसले की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कोच गौतम गंभीर और टीम मैनेजमेंट पर निशाना साधते हुए कहा है कि यह कदम टीम इंडिया द्वारा सूर्यकुमार की खराब फॉर्म को छिपाने की कोशिश जैसा लग रहा है।

पहले ओवर में गिल आउट, सूर्यकुमार की जगह आए अक्षर

214 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने पहले ही ओवर में शुभमन गिल को खो दिया। गिल खाता खोले बिना अपनी पहली ही गेंद पर आउट हुए। सामान्य परिस्थितियों में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को क्रीज पर आना चाहिए था, लेकिन टीम मैनेजमेंट ने चौंकाने वाला फैसला करते हुए अक्षर पटेल को नंबर-तीन पर भेज दिया। यह दांव उलटा पड़ा। अक्षर पटेल 21 गेंदों पर सिर्फ 21 रन ही बना पाए।

टीम इंडिया के कप्तान-उपकप्तान फॉर्म में नहीं, बल्लेबाजी क्रम के प्रयोग हो रहे फेल

भारत कैसे जीतेगा टी-20 विश्वकप

नई दिल्ली। टीम इंडिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने शीर्ष बल्लेबाजों शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव की खराब फॉर्म है। वर्ल्ड कप शुरू होने में अब कम समय बचा है और टीम अभी भी सही संयोजन, बैटिंग ऑर्डर और खिलाड़ियों की भूमिकाओं को लेकर प्रयोग कर रही है। अक्षर पटेल को नंबर-तीन पर भेजना हो या संजू सैमसन को बार-बार मौका न मिलना, इन फैसलों ने रणनीति पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

टी20 विश्व कप 2026 केवल 57 दिन दूर है। भारत के लिए यह समय न केवल चयन और संयोजन तय करने का है, बल्कि यह रूपरेखा तय करने का भी है कि कौन सी बल्लेबाजी क्रम मजबूत है, किस खिलाड़ी पर भरोसा है और कौन से विकल्प टीम के लिए भरोसेमंद साबित होंगे।

भारत की वर्तमान स्थिति कुछ परेशान करने वाली लगती है। कप्तान सूर्यकुमार यादव और उपकप्तान शुभमन गिल दोनों ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गंभीर रूप से संघर्ष कर रहे हैं। पिछले मैचों में बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दोनों का जल्दी आउट होना भारत की चिंताओं को और बढ़ा देता है। इतना ही नहीं, बल्लेबाजी क्रम में किए जा रहे प्रयोग-जैसे अक्षर पटेल को नंबर-तीन भेजना और शिवम दुबे को नंबर-आठ पर खिलाना, आलोचना का कारण बन रहे हैं। वैसे तो भारत के पास बहुत सारे बल्लेबाजी विकल्प हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह टीम विश्व कप के लिए सबसे बेहतर संयोजन है या सिर्फ प्रयोग?

सैमसन बनाम गिल: कौन उपयुक्त ओपनर

शायद सबसे बड़ा विवाद यह है कि संजू सामसन क्यों टीम से बाहर हैं, जबकि उन्होंने 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय में तीन शतक जड़े थे। सैमसन और अभिषेक शर्मा की ओपनिंग जोड़ी ने एशिया कप से पहले अधिकतर मैचों में शानदार प्रदर्शन किया था और भारत को मजबूत शुरूआत दी थी। विशेषज्ञों ने प्वाइंट आउट किया है कि यह निर्णय आंकड़ों और वर्तमान फॉर्म के खिलाफ लिया गया है। 2024 से अब तक सैमसन ने 22 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में 621 रन बनाए।

कप्तान और उपकप्तान की खराब फॉर्म बड़ी चिंता

सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल दोनों ही 2025 में बेहतरीन टी20 अंतरराष्ट्रीय फॉर्म नहीं दिखा पाए हैं। गिल की स्थिति तो और खराब दिखती है। उन्होंने 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में एक भी 50+ रन की पारी नहीं खेली और 263 रन बनाए, जबकि सूर्यकुमार भी 2025 में 17 पारियों में सिर्फ 201 रन बना पाए हैं। इसमें एक भी अर्धशतक नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में गिल चार और सूर्यकुमार 12 रन बना पाए थे, जबकि दूसरे टी20 में गिल शून्य और सूर्यकुमार पांच रन बना सके। बैटिंग पिच पर दोनों को इस तरह जूझते देखना सवाल खड़े करता है। टी20 विश्व कप भी भारत और श्रीलंका में होना है। जब हम अपने ही घर में जूझते दिखेंगे तो विश्व कप कैसे जीत पाएंगे, यह बड़ा सवाल है।

कमेंटेटर और पूर्व खिलाड़ी इस बात से नाखुश हैं। इरफान पठान ने भी कहा, 'शुभमन गिल का टी20 फॉर्म विश्व कप से पहले एक बड़ी चिंता है। उम्मीद है कि वह अपनी बल्लेबाजी की चमक वापस पाएंगे, वरना यह भारत के लिए बड़ी समस्या बन सकता है।'

इस बेमौसमी फॉर्म स्लंप के बावजूद, टीम मैनेजमेंट अभी तक इन दोनों खिलाड़ियों पर भरोसा बनाए हुए है। खासकर गिल पर, जिन्हें ओपनिंग साथी के रूप में बरकरार रखा गया है। गिल को टीम में लाने के लिए इन फॉर्म बल्लेबाज संजू सैमसन को अपनी जगह खाली करनी पड़ी।

अक्षर पटेल को नंबर-3 पर क्यों

भारतीय टीम के चयन और रणनीति पर सबसे बड़ा रोष खेल में किए गए प्रयोगों पर है। जब भारत ने 214 रन के लक्ष्य का पीछा शुरू किया, तो पहला विकेट जल्दी गिर गया। स्थिति यह थी कि टीम को अपने

सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज की जरूरत थी, लेकिन इसके बजाय अक्षर पटेल को नंबर-तीन पर भेजा गया, जो अक्सर अपनी बल्लेबाजी के लिए काफी आक्रामक विकल्प नहीं माने जाते। यह निर्णय कई क्रिकेट विशेषज्ञों और फैन्स को समझ में नहीं आया।

खासकर तब जब टीम के पास बल्लेबाजी के शीर्ष क्रम में खेलने के लिए और भी बेहतर तकनीकी विकल्प मौजूद हैं। नंबर तीन पर सूर्यकुमार आते हैं, लेकिन वह नहीं आए। तिलक वर्मा ने अच्छी बल्लेबाजी की और उन्हें भी जल्दी भेजा जा सकता था, लेकिन ऐसा भी नहीं हुआ। अक्षर ने 21 गेंद में 21 रन बनाए।

बड़े स्कोर का पीछा करते हुए यह पारी काफी धीमी थी। शिवम दुबे को नंबर-आठ निवेश करना भी टीम की बल्लेबाजी रणनीति पर एक बड़ा सवाल खड़ा करता है। विकेट गिरने के बाद धैर्य और एकाग्रता की जरूरत थी, लेकिन इन प्रयोगों ने टीम को बैटिंग में मजबूती देने के बजाय उलझन में डाल दिया। दुबे सीएसके में स्लॉग बैटर के तौर पर इस्तेमाल किए जाते रहे हैं और रन रेट बढ़ाने के लिए उन्हें नंबर तीन भेजकर उन पर विश्वास भी जताया जा सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

महापौर ने किया 2 करोड़ 11 लाख के विकास कार्यों का शिलान्यास

कब्जा मुक्त और साफ-सुथरे शहर की जनता ने की सराहना

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महापौर सुनीता दयाल ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न वार्डों में लगभग 2 करोड़ 11 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सड़क निर्माण कार्यों का नारियल फोड़कर शिलान्यास किया। इस दौरान लोगों ने शहर को कब्जा मुक्त और साफ-सुथरा बनाए जाने के प्रयासों के लिए महापौर की प्रशंसा की।

महापौर ने कहा कि शहर के हर कोने में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। इंजीनियर और ठेकेदार कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें ताकि जनता को बेहतर और टिकाऊ सड़कें मिल सकें।

इन प्रमुख कार्यों का हुआ शिलान्यास

वार्ड 16: मेरठ रोड, खेतान स्कूल, गढ़ी गाँव मार्ग का आरसीसी निर्माण, लागत 1.70 करोड़ रुपये

वार्ड 50 (सरस्वती विहार): गली नं. 4 में इंटरलॉकिंग टाइल्स कार्य, लागत 13.88 लाख रुपये

वार्ड 31 (घुकना): एकता पब्लिक स्कूल वाली गली व विकास कॉस्मेटिक से नरेश के मकान तक इंटरलॉकिंग, लागत 3.97 लाख रुपये

वार्ड 50 (राज नगर एक्सटेंशन): प्राइमरी स्कूल के सामने वाली सड़क, लागत 5.69 लाख रुपये

वार्ड 32 (सिहानी रोड): बी.एस. कंपाउंड में इंटरलॉकिंग कार्य, लागत 5.42 लाख रुपये

वार्ड 50 (सिहानी नूर नगर): दीपक कॉलोनी में विभिन्न गलियों में इंटरलॉकिंग, लागत 12.44 लाख रुपये।

जनता से लगातार मिल रही मांगें, महापौर कर रहीं त्वरित कार्रवाई

करंट क्राइम। महापौर सुनीता दयाल से रोजाना अलग-अलग क्षेत्रों के लोग अपने इलाके की समस्याएँ लेकर मिलते हैं। महापौर द्वारा प्रकाश व्यवस्था और सड़कों से जुड़े कार्यों के लिए निगम अधिकारियों को तुरंत निर्देश दिए जाते हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद इन सभी कार्यों की शुरूआत कराई गई।

स्थानीय लोगों ने किया स्वागत

करंट क्राइम। शिलान्यास स्थलों पर पहुँचते ही स्थानीय नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने जयघोष कर महापौर का स्वागत किया। सभी ने शहर के सौंदर्यीकरण, सफाई और अतिक्रमण हटाने को लेकर किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

इन जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की रही उपस्थिति

करंट क्राइम। इस दौरान मौके पर पार्षद सुभाष चौधरी, नितिन कुमार, सुमनलता पाल, राजीव डागर, जयवीर सिंह, प्रविन्द शर्मा, सोमपाल शर्मा, प्यारेलाल शर्मा, लीलू त्यागी, नितिन त्यागी, प्रवेश शर्मा, कालू, राजपाल राघव, शिवमोहन गर्ग, अरुण कुमार श्रीवास्तव, करुणा जी सहित कई स्थानीय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नॉएडा विधायक पंकज सिंह को गाजियाबाद के भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिलकर जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी

गाजियाबाद करंट क्राइम। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोएडा विधायक पंकज सिंह के जन्मदिन के अवसर पर शहरभर में शुभकामनाओं का क्रम निरंतर जारी रहा।

इसी क्रम में पूर्व डिप्टी मेयर सरदार सिंह भाटी एवं पार्षद रवि भाटी ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि पंकज भईया का स्नेह और मार्गदर्शन हमेशा प्रेरणा देता है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे विधायक पंकज सिंह को उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और यशपूर्ण जीवन प्रदान करें।

जन्मदिन के इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्त्ताओ ने पंकज सिंह के दीघार्यु और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर पूर्व डिप्टी मेयर सरदार सिंह भाटी, पार्षद रवि भाटी, पार्षद कालीचरण पहलवान, पार्षद आशीष चौधरी, आकाश, मुकेश, सोमनाथ चौहान आदि हजारो कार्यकर्ताओ ने बधाई एवं शुभकामनायें दी।

गाजियाबाद में एसआईआर अभियान की बड़ी रणनीति
विधायक संजीव शर्मा ने संभाला मोर्चा

गाजियाबाद करंट क्राइम। विधानसभा गाज़ियाबाद में शुक्रवार को मतदाता विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर चौधरी मोड़ कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की कमान शहर विधायक संजीव शर्मा ने संभाली, जिन्हें भाजपा की ओर से इस अभियान का प्रदेश सह-संयोजक का दायित्व भी मिला हुआ है। उनकी अगुवाई में बैठक रणनीतिक, परिणाममुखी और पूरी तरह जमीनी जरूरतों पर केंद्रित रही।

बैठक में विधानसभा के पाँचों मंडल अध्यक्ष महीम गुप्ता, धर्मेंद्र चौधरी, वरुण नागर, पवन शर्मा और हेमराज माहौर उपस्थित रहे। सभी अध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों में अभियान की प्रगति, चुनौतियों और आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत प्रस्तुति रखी। इसके साथ ही प्रवासी राजेश शर्मा, राकेश पंडित, सुधीर शर्मा तथा शहर मंडल के सह-संयोजक कलूवा की मौजूदगी ने बैठक में जमीनी अनुभव व संगठनात्मक मजबूती दोनों को जोड़ा। बैठक की सार्थकता को और बढ़ाया महानगर एसआईआर संयोजक अमित रंजन और शहर मंडल एसआईआर संयोजक बलराम रावल ने, जिन्होंने अभियान के तकनीकी और प्रबंधन पक्ष को विस्तार से समझाया। दोनों संयोजकों ने इस बात पर जोर दिया कि र.कफ अभियान में किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटने न पाए। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी मंडलों में एसआईआर अभियान को और अधिक गति, समन्वय और प्रभावशीलता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। उपस्थित पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से यह लक्ष्य दोहराया कि प्रत्येक मतदाता तक पहुँचना हमारा संकल्प है, और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करना हमारी जिम्मेदारी।

विधायक संजीव शर्मा ने संगठन पदाधिकारियों को स्पष्ट दिशा देते हुए कहा कि यह अभियान केवल दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति समर्पण है। उन्होंने हर बूथ पर सक्रिय निगरानी और नियमित फीडबैक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दोस्तों के साथ हुक्का पीने गया युवक की हमलावरों ने गोली मारकर की हत्या

लोनी (करंट क्राइम)। लोनी थाना अंकुर विहार की एसएलएफ कॉलोनी का रहने वाला शिवम उर्फ लालू पुत्र स्वर्गीय सुनील से एक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार, मृतक अपने दोस्तों के साथ कॉलोनी के बाहर हुक्का पीने गया था। इसी दौरान वहां पहुंचे कुछ अज्ञात हमलावरों ने अचानक उस पर फायरिंग कर दी। हमलावरों ने किशोर के ऊपर दो गोलियां चलाई और घटना के बाद मौके से फरार हो गए। गोली लगते ही युवक गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा तथा अस्पताल पहुंचने तक उसकी मौत हो चुकी थी। एसीपी ज्ञानपकाश ने बताया कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने तुरंत उसे नजदीकी अस्पताल पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। परिवार ने आरोप लगाया कि पहले से धमकियाँ मिल रही थीं, हालांकि इसकी पुष्टि पुलिस ने नहीं की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और हमलावरों की तलाश के लिए टीमों का गठन किया गया है। पुलिस का कहना है कि यह मामला आपसी रंजिश, झगड़े या अचानक हुई बहस का परिणाम भी हो सकता है, सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा करेगी मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की गाजियाबाद इकाई का वार्षिकोत्सव रविवार को मनाया जाएगा। राजनगर एक्सटेंशन स्थित अजनारा इंटीग्रिटी क्लब हाउस में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री शिव बहादुर सक्सेना शामिल होंगे। यह जानकारी महासभा के अध्यक्ष दयाशंकर सक्सेना ने दी। उन्होंने कहा कि विशिष्ट अतिथियों के रूप में आनंद कुमार जौहरी, सेवानिवृत्त गन्ना आयुक्त, राकेश श्रीवास्तव कर्नल हर्षवर्धन, रजनीश रंजन सिंह आदि उपस्थित होंगे। एकदिवसीय वार्षिकोत्सव में चित्रांश समाज के हित में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा साथ ही समाज के विशिष्ट लोगों को भी सम्मानित किया जाएगा।

वैश्य समाज का परिचय सम्मेलन 11 जनवरी को

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वैश्य समाज की एक बैठक 23 वें वैश्य परिचय सम्मेलन के संबंध में क्वालिटी स्टील अनिल कुमार के प्रतिष्ठान पर हुई। इसकी अध्यक्षता एम एल सी दिनेश गोयल ने की।

संस्था के संस्थापक सदस्य नरेंद्र बंसल एवं अनिल कुमार ने मंच का संचालन करते हुए बताया कि आगामी 11 जनवरी 2026 को इंपीरियल फार्म हाउस में यह आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि इस परिचय सम्मेलन के माध्यम से पिछले 25 वर्षों में जो भी रिश्ते हुए हैं वो सभी दम्पत्ति खुशहाल जीवन जी रहे हैं। कार्यक्रम के संयोजक राजकुमार अग्रवाल लोहे वाले, संस्था के चेयरमैन राधे श्याम गर्ग , आनंद प्रकाश , अतुल जैन , जयकुमार गुप्ता, जीपी अग्रवाल, अजय अग्रवाल , अमित सिंघल हापुड़ वाले, देवेंद्र अधिकारी , रेखा अग्रवाल , पीके अग्रवाल , मुकेश मित्तल , धनेश मित्तल , संदीप एलाइड स्टील ,विपुल गर्ग , संजीव अग्रवाल, राजेश गुप्ता आदि सैकड़ो वैश्य समाज के लोग उपस्थित रहे।

एसडीजीआई में बायोटेक्नोलॉजी के उभरते करियर अवसरों पर विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गाज़ियाबाद के स्कूल ऑफ साइंसेज द्वारा बायोटेक्नोलॉजी एवं लाइफ साइंसेज में हालिया प्रवृत्तियाँ: विविध क्षेत्रों में करियर के अवसर विषय पर गेस्ट लेक्चर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा की प्रतिष्ठित विशेषज्ञ प्रो. (डॉ.) श्वेता डंग, प्रोफेसर, बायोटेक्नोलॉजी विभाग तथा प्रो. (डॉ.) पम्मी गौबा, डायरेक्टर (आर एंड डी), डीन (एकेडमिक्स) व विभागाध्यक्ष, बायोटेक्नोलॉजी विभाग उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रसनजीत कुमार, रजिस्ट्रार डॉ. राजीव रतन, डीन एकेडमिक्स प्रो. (डॉ.) ए. शन्मुगनाधन तथा स्कूल ऑफ साइंसेज की निदेशक डॉ. ज्योति चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। सभी ने इस शैक्षणिक पहल की सराहना की।

गेस्ट लेक्चर के दौरान दोनों विशेषज्ञों ने बायोटेक्नोलॉजी और लाइफ साइंसेज के क्षेत्र में उभरती तकनीकों, नवीन शोध संभावनाओं और करियर अवसरों पर विस्तृत एवं प्रभावी व्याख्यान प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने अत्यंत उत्साह के साथ सहभागिता की तथा प्रश्नउत्तर सत्र में सक्रियता से भाग लेकर अपने ज्ञान का विस्तार किया। कार्यक्रम के अंत में अतिथि वक्ताओं को स्मृति चिन्ह और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हुआ और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को और अधिक समृद्ध किया। इस सफल आयोजन के लिए स्कूल ऑफ साइंसेज ने माननीय चेयरमैन एवं चांसलर महेंद्र अग्रवाल, वाइस चेयरमैन अखिल अग्रवाल, प्रो-चांसलर नितिन अग्रवाल, प्रो-चांसलर (प्रशासन) विमल कुमार शर्मा तथा प्रो-चांसलर (प्रशासन) पीयूष श्रीवास्तव के मार्गदर्शन और सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

पार्षद गौरव सोलंकी ने किया स्थाई शेड का उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वैशाली के सेक्टर 2 में स्थित श्री दुर्गा मंदिर के पास, वार्ड 76 के पार्षद गौरव सोलंकी ने पार्षद निधि से निर्मित स्थाई शेड का उद्घाटन किया। नारियल तोड़कर शुरू हुए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सम्मानित निवासी उपस्थित रहे, जिनके सहयोग और आशीर्वाद को पार्षद ने अपनी प्रेरणा बताया। पार्षद गौरव सोलंकी के ने कहा जनता का साथ ही हमारी ऊर्जा है। हम स्मार्ट, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वैशाली के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने इस अवसर पर साफ नियत सही विकास और आपका पार्षद आपके साथ के साथ अपने संकल्प को दोहराया।

इससे पहले भी गौरव सोलंकी ने वैशाली क्षेत्र में सफाईकर्मियों के लिए छतरी वितरण जैसी जनकल्याणकारी पहलें की थीं। शेड के निर्माण से स्थानीय निवासियों को बारिशधूप से बचाव के साथ ही सामाजिक धार्मिक कार्यक्रमों के लिए एक स्थायी स्थान मिलेगा। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित लोगों के जयकारों और पार्षद के प्रति धन्यवाद के साथ हुआ।

विधानसभा मतदाता पुनरीक्षण 2026 : निर्वाचन आयोग ने बदली गणना की समय-सीमा, ड्राफ्ट रोल 31 दिसंबर को जारी होगा

गाजियाबाद करंट क्राइम। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विधानसभा मतदाता नामावली के विशेष पुनरीक्षण 2026 के कार्यक्रम में संशोधन किया गया है। आयोग के पत्र दिनांक 11 दिसंबर 2025 के आधार पर नई समय-सीमा तय की गई है, जिसके अनुसार जिले में मतदाता सूची से जुड़ी सभी गतिविधियों को नई निर्धारित तिथियों पर पूरा किया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से जारी जानकारी के अनुसार मतदाता गणना अवधि 26 दिसंबर 2025 तक निर्धारित की गई है। इसी दिन तक पोलिंग स्टेशनों के पुनर्गठन व पुनर्व्यवस्था का कार्य भी पूरा कर लिया जाएगा। कंट्रोल टेबल के अद्यतन और ड्राफ्ट रोल की तैयारी का कार्य 27 से 30 दिसंबर 2025 के बीच किया जाएगा। इसके बाद 31 दिसंबर 2025 को ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित होगी, जिस पर आपत्तियां और दावे 30 जनवरी 2026 तक लिए जाएंगे। नोटिस, सुनवाई और सत्यापन की प्रक्रिया 31 दिसंबर 2025 से शुरू होकर 21 फरवरी 2026 तक चलेगी। इस अवधि में निर्वाचन प्रक्रम से जुड़े सभी दावों व आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा।

आयुक्त द्वारा निर्धारित स्वास्थ्य मानकों की जांच और अनुमति की प्रक्रिया 25 फरवरी 2026 तक पूरी होगी और इसके बाद अंतिम मतदाता सूची 28 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिन मतदान केंद्रों से मतगणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं, उन सभी बीएलओ को निर्देशित किया गया है कि वे तत्काल प्रपत्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ताकि निर्धारित समय में पुनरीक्षण कार्य पूरा किया जा सके।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति
करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। बेटियां पिता का अभिमान होती हैं। बिटिया का जन्मदिन हो तो पिता का आशीर्वाद हमेशा रहता है। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सतपाल प्रधान की बिटिया रिंकी का जन्मदिन आया तो पिता ने अपनी बिटिया पर पूर्ण स्नेह दिखाया। उन्होंने देवाधिदेव महादेश से अपनी प्यारी बिटिया रिंकी के लिए दीर्घ आयु, सुखी जीवन और उत्तम स्वास्थ का आशीर्वाद मांगा। सतपाल प्रधान की बेटी के जन्मदिन पर आशीर्वाद से परिपूर्ण ये पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

बार एसोसिएशन गाजियाबाद नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का हुआ शपथग्रहण समारोह

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। बार एसोसिएशन गाजियाबाद की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार को जिलान्यायालय परिसर में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हाईकोर्ट के न्यायधीश, न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय ने कार्यकारिणी अध्यक्ष सहित कार्यकारिणी के सदस्यों को शपथ ग्रहण करायी। विशिष्ट अतिथि के रूप में रविन्द्र कुमार मॉदड़, पुलिस आयुक्त जे रविन्द्र गौड़, जीडीए वीसी नन्दकिशोर कलाल, नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक तथा पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी मौजूद रहे। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्रह्मदेव कुमार त्यागी तथा सचिव वरूण त्यागी (बयाना) ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जीडीए ने एलआईजी/ईडब्ल्यूएस आवास देरी पर सख़्त निगरानी शुरू की
देरी करने वाले निजी विकासकर्ताओं पर होगी कड़ी कार्रवाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल को जन सुनवाई के दौरान लगातार यह शिकायतें प्राप्त हो रही थीं कि कई निजी विकासकताओं द्वारा एलआईजी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के भवनों का कब्जा समय पर नहीं दिया जा रहा है। इस गंभीर मुद्दे पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जीडीए उपाध्यक्ष ने प्राधिकरण सचिव राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में छह सदस्यीय समिति का गठन किया है, जिसका उद्देश्य ऐसे सभी निजी विकासकताओं की पहचान कर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

इसी क्रम में सचिव राजेश कुमार सिंह ने देर शाम अधीनस्थ अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की, जिसमें सभी जोन अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में उन निजी विकासकताओं की सूची तैयार करें जो एलआईजी/ईडब्ल्यूएस भवनों का कब्जा देने में अनावश्यक देरी कर रहे हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट निर्देश दिए गए कि इस संबंध में एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि पूरे मामले की निगरानी कर आवश्यक कार्यवाही तय की जा सके। सचिव ने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया की कड़ाई से मॉनिटरिंग की जाएगी ताकि आवंटियों को अनावश्यक इंतजार न करना पड़े।

केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार प्रत्येक निजी प्रोजेक्ट में एलआईजी/ईडब्ल्यूएस श्रेणी के फ्लैटों का समय पर निर्माण और कब्जा सौंपना अनिवार्य है। हाल के समय में कई बिल्डरों द्वारा कब्जा देने में देरी की शिकायतें बढ़ी हैं, जो नियमों के विपरीत है और कमजोर वर्ग के आवंटियों के हितों को प्रभावित करता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जीडीए जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए यह सख्त कदम उठाया है।

जीडीए शहर में नियोजित विकास, अवैध निर्माण पर रोक, और होमबायर्स के हितों की संरक्षण हेतु लगातार प्रभावी कदम उठा रहा है। एलआईजी/ईडब्ल्यूएस श्रेणी के आवास सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं, इसलिए प्राधिकरण ने साफ किया है कि देरी के दोषी पाए जाने पर निजी विकासकताओं के विरुद्ध प्रोजेक्ट अनुमोदन रोकने, कंप्लीशन सर्टिफिकेट न जारी करने, या अन्य प्रशासनिक कार्रवाई करने से भी परहेज नहीं किया जाएगा।

कंजरवेटिव सांसद माइकल मा ने छोड़ी पार्टी, पीएम कार्नी की पार्टी में हुए शामिल

टोरंटो। कनाडा में सियासत में बड़ा उलटफेर हुआ जब मार्कहमझ यूनियनविल के कंजरवेटिव सांसद माइकल मा अपनी पार्टी छोड़ पीएम मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी में शामिल हो गए। मा ने कहा कि वे विभाजन नहीं, समाधान की राजनीति चाहते हैं और कार्नी का नेतृत्व देश की जरूरतों के लिए अधिक स्थिर व व्यावहारिक है।

कनाडा की राजनीति में गुरुवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला। जहां कंजरवेटिव पार्टी के सांसद माइकल मा ने अपनी पार्टी छोड़कर प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल सरकार का दामन थाम लिया। माइकल मा ओंटारियो प्रांत की मार्कहम-यूनियनविल सीट से सांसद हैं। वे पिछले एक महीने में दूसरे कंजरवेटिव सांसद हैं जिन्होंने लिबरल पार्टी ज्वॉइन की है। बात अगर माइकल मा के पार्टी छोड़ने के पीछे की कारण की करें तो अपने बयान में मा ने कहा कि वे राजनीति में 'समाधान ढूंढने, न कि विभाजन बढ़ाने के लिए आए थे।

मा ने कहा कि उन्हें लगता है कि प्रधानमंत्री मार्क कार्नी वह स्थिर और व्यावहारिक नेतृत्व दे रहे हैं जिसकी देश को जरूरत है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वे अपने इलाके के लोगों से रोजाना जिन समस्याओं के बारे में सुनते हैं, उन पर काम करने में कार्नी की सरकार बेहतर है।

लिबरल पार्टी बहुमत के एक कदम करीब

बता दें कि मा के शामिल होते ही लिबरल पार्टी संसद में बहुमत से सिर्फ एक सीट कम रह गई है। ऐसे में अगर वे बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो उन्हें अपने बिल पास कराने के लिए किसी विपक्षी पार्टी की जरूरत नहीं पड़ेगी।

कंजरवेटिव खेमे में नाराजगी

दूसरी ओर माइकल मा के इस कदम से कंजरवेटिव पार्टी के खेमे में नाराजगी का माहैल है। कंजरवेटिव नेता पियरे पोलीएव्रे ने अपनी नाराजगी जारी करते हुए कहा कि माइकल मा को उनके क्षेत्र के लोगों ने लिबरल सरकार की महंगाई बढ़ाने वाली नीतियों का विरोध करने के लिए चुना था। लेकिन आज वे उन्हीं नीतियों का समर्थन करने चले गए।

हालांकि गौर करने वाली बात है कि कंजरवेटिव नेता पोलीएव्रे खुद भी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। वे अप्रैल के चुनाव में हार गए, अपनी सांसद की सीट भी खो दी और जनवरी में उनके नेतृत्व पर समीक्षा वोट होने वाला है।

थाईलैंड के प्रधानमंत्री को संसद भंग करने की मंजूरी, अगले साल की शुरूआत में होंगे आम चुनाव

थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल को शुक्रवार को पार्लियामेंट भंग करने की शाही मंजूरी मिल गई, जिससे अगले साल की शुरूआत में आम चुनाव होंगे।

बैंकॉक। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नवीराकुल को शुक्रवार (12 दिसंबर) को संसद भंग करने के लिए शाही स्वीकृति मिल गई है। इसके साथ ही देश में अगले साल की शुरूआत में आम चुनाव कराए जाने का रास्ता साफ हो गया है। शाही आदेश जारी होने के 45 से 60 दिनों के भीतर प्रतिनिधि सभा के चुनाव कराए जाएंगे। इस दौरान अनुतिन चर्नवीराकुल सीमित अधिकारों के साथ कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहेंगे और नई बजट मंजूर नहीं कर सकेंगे।

सीमा विवाद के बीच राजनीतिक कदम

इससे पहले प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नवीराकुल ने गुरुवार देर रात फेसबुक पोस्ट में लिखा कि मैं सत्ता वापस जनता को सौंपना चाहता हूं। पीएम का यह फैसला ऐसे समय आया है जब थाईलैंड कम्बोडिया के साथ वर्षों पुराने सीमा विवाद को लेकर बड़े पैमाने पर संघर्ष में उलझा हुआ है। इस

हफ्ते की झड़पों में करीब दो दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है और दोनों ओर से लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

3 महीने पहले ही बने थे प्रधानमंत्री

बता दें कि अनुतिन चर्नवीराकुल सिर्फ तीन महीने पहले प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने पैटोंगटार्न शिनावात्रा की जगह ली है, जिन्होंने सिर्फ एक साल तक पद संभाला था। अनुतिन ने सितंबर में संसद में हुए मतदान में जीत हासिल की थी, जिसमें मुख्य विपक्षी पीपल्स पार्टी ने उनका समर्थन इस वादे पर किया था कि वे चार महीने के भीतर संसद भंग करेंगे और एक नई संविधान सभा के लिए जनमत संग्रह कराएंगे।

संविधान संशोधन विवाद बना कारण

संविधान बदलने का मुद्दा इस समय केंद्र में है। अनुतिन की पार्टी भूमजथाई ने संविधान संशोधन के लिए जरूरी व्यवस्था में सीनेट के एक-तिहाई मतों को बरकरार रखने के पक्ष में वोट किया, जिसके बाद पीपल्स पार्टी ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की धमकी दी। यह विवाद संसद भंग होने की मुख्य वजह माना जा रहा है।

अनुतिन पहले पूर्व प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा की कैबिनेट में मंत्री थे, लेकिन कंबोडिया के साथ सीमा तनाव से जुड़े एक राजनीतिक घोटाले के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया और अपनी पार्टी को गठबंधन से बाहर कर लिया। पैटोंगटार्न, जो पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा की बेटी हैं, उनको जुलाई में पड़ोसी देश कंबोडिया के सीनेट अध्यक्ष हुन सेन के साथ एक विवादित फोन कॉल के कारण नैतिक आचार उल्लंघन में दोषी पाए जाने के बाद पद से हटा दिया गया था। अनुतिन ने पैटोंगटार्न की कैबिनेट में काम किया था, लेकिन कंबोडिया के साथ बॉर्डर पर तनाव से जुड़े एक राजनीतिक विवाद के बाद उन्होंने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया और अपनी पार्टी को उनकी गठबंधन सरकार से वापस ले लिया। पीपल्स पार्टी ने कहा है कि वह विपक्ष में ही रहेगी, जिससे नई सरकार अल्पमत में फंस सकती है।

78000 हुए बेघर, छतों पर फंसे लोग...

कई शहर कराए गए खाली, वॉशिंगटन में बाढ़ ने मचाई ऐसी तबाही

वॉशिंगटन। वॉशिंगटन राज्य में लगातार बारिश ने ऐतिहासिक बाढ़ ला दी है। स्कैजिट और स्नोहोमिश नदियों ने रिकॉर्ड तोड़ दिए, हजारों लोग घर छोड़ने पर मजबूर हुए और कई शहर खाली कराए गए। पुल, सड़कें और घर बह गए, जबकि कई परिवार छतों पर फंसे मिले और हेलीकॉप्टर से बचाए गए।

अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य में लगातार कई दिनों तक हुई तेज बारिश ने हालात बेहद भयावह बना दिए हैं। नदियां रिकॉर्ड स्तर तक भर गई हैं, पुल बह गए हैं और कई घर अपनी नींव से उखड़कर बह गए हैं। हजारों लोग छतों पर फंसे मिले और कई शहर पूरी तरह खाली कराए गए हैं। प्रशासन ने इसे ऐतिहासिक बाढ़ करार दिया है।

वॉशिंगटन में आपातकाल लागू कर दिया गया है और करीब 78,000 लोगों को स्कैजिट नदी के आसपास के इलाकों से तुरंत निकाला गया। राज्यपाल बॉब फर्ग्यूसन ने निवासियों से कहा कि यह सामान्य बाढ़ नहीं है, बल्कि एक ऐसी स्थिति है जो राज्य ने पहले कभी नहीं देखी। कई नदियां अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ चुकी हैं, जबकि मौसम विशेषज्ञों ने शुक्रवार तक और ज्यादा बाढ़ का खतरा जताया है।

उफान पर नदियां

स्नोहोमिश नदी अपने पुराने रिकॉर्ड से करीब एक फुट ऊपर चली गई, जबकि स्कैजिट नदी भी माउंट वर्नन में रिकॉर्ड तोड़ स्तर पर पहुंच गई। कंक्रीट टाउन में नदी का पानी घरों के दरवाजे तक जा पहुंचा, कुछ घरों से मलबा लगातार बहता रहा। कई लोगों ने बताया कि उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी कि पानी इतना ऊंचा उठ सकता है। 2003 की बाढ़ के बाद अब यह इलाका फिर बड़े संकट में है।

बड़े पैमाने पर नुकसान

पूरे राज्य में पुलों और हाईवे पर पानी भर गया है। कई सड़कें पूरी तरह बह गई हैं। स्टेट रूट 410 और इंटरस्टेट-90 के हिस्से बंद कर दिए गए हैं, जहां वाहन पेड़ों, कीचड़ और पानी में फंसे पाए गए। सीमावर्ती शहर सूमास, नूकसैक और एवर्सन में हालत सबसे खराब हैं।

सूमास का मेयर ब्रूस बोश ने कहा कि शहर लगभग तबाह हो गया है। अमेरिका और कनाडा बॉर्डर पार करने का रास्ता बंद कर दिया गया है। साथ ही सिएटल-वैंकूवर अम्ट्रैक ट्रेनें रोक दी गई हैं।

हेलीकॉप्टर से लोगों को छतों से निकाला गया

कई परिवार अपने घरों की छतों पर फंसे मिले, जिन्हें हेलीकॉप्टर से निकाला गया। सूमास के कुछ इलाकों में पानी 15 फीट तक भर गया और फायर स्टेशन भी तीन फीट पानी में डूब गया। वेलकम शहर में नदी कटान से दो मकान सीधे नूकसैक नदी में गिर गए। पूर्व सिएटल के स्नोकलमी में हिरणों का झुंड फुटबॉल मैदान में गर्दन तक पानी में तैरता दिखा। कई घरों में लोग पानी निकालने के लिए पंप चलाते नजर आए।

अगले खतरे की चेतावनी

विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे तीव्र तूफान और बाढ़ की घटनाएं जलवायु परिवर्तन के बढ़ते असर का संकेत हैं। हालांकि किसी एक घटना को सीधे जलवायु परिवर्तन से जोड़ना वैज्ञानिक दृष्टि से कठिन है, लेकिन भारी बारिश और चरम मौसम लगातार बढ़ रहे हैं। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि रविवार से एक और नया तूफानी सिस्टम राज्य में प्रवेश करेगा, जो और भारी बारिश लाएगा।

जापान में 6.7 तीव्रता का भूकंप देश के पूर्वोत्तर में लगे झटके

वापस ली गई सुनामी की चेतावनी

टोक्यो। जापान में आज सुबह (शुक्रवार, 12 दिसंबर) भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 6.7 मापी गई। इसी के साथ सुनामी की भी चेतावनी भी जारी की थी। जिसे बाद में वापस ले लिया गया।

जापान में आज सुबह एक बार फिर धरती हिलने से दहशत फैल गई। जापान में तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। भारतीय समय के अनुसार यह भूकंप सुबह 8:14 बजे आया। भूकंप की तीव्रता 6.7 मापी गई। इसी के साथ सुनामी की भी चेतावनी जारी की गई। हालांकि फिर बाद में उसे वापस लिया गया। ताजा जानकारी के अनुसार भूकंप के बाद सुनामी की एडवाइजरी को हटा लिया गया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक शुक्रवार को देश के उत्तर-पूर्व में रिक्टर स्केल पर भूकंप की 6.7 तीव्रता मापी गई। भूकंप के बाद सुनामी की भी चेतावनी जारी की गई। किसी गंभीर नुकसान या चोट की तुरंत कोई रिपोर्ट नहीं मिली। जापान मौसम विभाग ने बताया कि भूकंप स्थानीय समय के मुताबिक सुबह 11:44 बजे, मुख्य जापानी आइलैंड होन्शू के उत्तर में, आओमोरी प्रीफेक्चर के पूर्वी तट पर 20 किलोमीटर की गहराई पर आया। शुरूआत में सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी। हालांकि एडवाइजरी करीब दो घंटे बाद हटा ली गई। बताया जा रहा है कि समुद्र में आया 6.7 तीव्रता का भूकंप इतना जोरदार था कि तटीय इलाकों से लेकर दूर बसे शहरों तक धरती हिलने से हड़कंप मच गया। जिसकी गहराई 10.7 किलोमीटर बताई जा रही है। भूकंप तट के करीब आया, ऐसे में तीव्र भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत फैल गई और घरों से बाहर भागने लगे।

पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर कस सकता है शिकंजा

इस्लामाबाद। क्या पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगने वाला है? ऐसा सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म्स खासकर एक्स पर सरकार का सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया है। इतना ही पाकिस्तान सरकार ने इन सभी प्लेटफॉर्म्स को बड़ी चेतावनी भी दी है।

पाकिस्तान से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां पाकिस्तान के कानून और न्याय राज्य मंत्री बरिस्टर अकील मलिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स सरकार के साथ सहयोग नहीं करते हैं, तो उन्हें बैन किया जा सकता है। बरिस्टर मलिक ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स जिसका पाकिस्तान में लगभग 45

लाख उपयोगकर्ता हैं, सरकार के साथ सबसे कम सहयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक्स को कई बार नोटिस दिए जा चुके हैं और उन्हें पाकिस्तान में कार्यालय खोलने के लिए भी कहा गया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

'सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नहीं कर रहा सहयोग'

मंत्री ने आगे कहा कि पैलेस्टाइन से जुड़े पोस्ट 24 घंटे में हटा दिए जाते हैं, लेकिन यहां हम आतंकवाद से जुड़े मामले की बात कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जो प्लेटफॉर्म सहयोग नहीं करेगा, उसके खिलाफ भी ब्राजील जैसी कार्रवाई हो सकती है।

टीपीपी के आतंकवादियों ने पुलिस चौकी पर किया हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में गुरुवार रात को टीटीपी के आतंकवादियों ने एक पुलिस चौकी पर हमला कर दिया। इस हमले में कम से कम पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। यह घटना ऐसे समय में हुआ, जब गुरुवार को इलाके में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई थी।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में गुरुवार रात को तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों ने एक पुलिस चौकी पर हमला कर दिया। इस हमले में कम से कम पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। आतंकवादियों ने बन्नू जिले के हावैद पुलिस क्षेत्राधिकार में स्थित शेख लैंडक पुलिस चौकी को निशाना बनाया। पुलिस के बयान के अनुसार कई आतंकवादी मारे गए और कई घायल हुए। प्रवक्ता द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि फितना अल ख्वारिज के आतंकवादियों ने गुरुवार देर रात चौकी पर हमला किया। फितना

अल ख्वारिज वह शब्द है जिसका इस्तेमाल सरकार प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकवादियों के लिए करती है। बयान में कहा गया है कि पुलिसकर्मियों ने साहस और बहादुरी का परिचय दिया और समय रहते कार्रवाई करते हुए हमले को विफल करने में सफलता प्राप्त की।

डीएसपी घायल पुलिसकर्मियों से मिले: गोलीबारी के दौरान पांच पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। बयान में कहा गया है कि बन्नू के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सज्जाद खान के निर्देश पर अतिरिक्त कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और इलाके को घेर लिया। इसमें कहा गया है कि बन्नू के डीआईजी और जिला पुलिस कार्यालय (डीपीओ) यासिर अफरीदी ने पुलिस के प्रयासों और क्षेत्र के लोगों के साहस और बहादुरी की सराहना की। इसके साथ ही डीएसपी ने बाद में अस्पताल में घायल पुलिसकर्मियों से मुलाकात की। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब गुरुवार को इलाके में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई थी, क्योंकि एक फुटबॉल मैच के दौरान आतंकवादियों द्वारा एक खेल के मैदान पर किए गए क्वाडकॉप्टर हमले में नाबालिगों सहित कम से कम सात लोग घायल हो गए थे।

पाकिस्तान में बढ़ता आंतकवाद

पाकिस्तान में आतंकी गतिविधियों में तेजी देखी जा रही है, खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में।

नवंबर 2022 में टीटीपी द्वारा सरकार के साथ युद्धविराम समाप्त करने और सुरक्षा बलों, पुलिस और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के कर्मियों पर हमला करने की शपथ लेने के बाद घटनाओं में यह उछाल आया है। अक्टूबर में, इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज ने कहा था कि आतंकवादी हमलों में वृद्धि और आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज करने के कारण देश में तीन महीनों में हिंसा में तेजी आई है।

अमेरिका में एआई नियमों पर राष्ट्रपति ट्रंप सख्त

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एआई उद्योग को बढ़ावा देने के लिए नया कार्यकारी आदेश जारी किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर 50 राज्यों के अलग-अलग नियम लागू हुए, तो कंपनियों को कई मंजूरियां लेनी होंगी। ट्रंप ने जोर दिया कि इस आदेश का उद्देश्य देशभर में एक समान एआई नीति लागू करना है। अमेरिका में एआई नियमों को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना सख्त रुख अपनाया है। इसके तहत ट्रंप ने गुरुवार को एक नया कार्यकारी आदेश भी जारी किया। इस आदेश का मकसद है कि अलग-अलग अमेरिकी राज्यों द्वारा अपने-अपने नियम बनाकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उद्योग की प्रगति न रोक दी जाए। मामले में ट्रंप का कहना है कि अगर हर राज्य अपने नियम बनाएगा, तो कंपनियों को 50 जगह से मंजूरी लेनी पड़ेगी, जिससे अमेरिका चीन के खिलाफ एआई की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे रह जाएगा।

फैज हमीद को मिली सजा तो बस शुरूआत...! अभी कई जाएंगे जेल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस के पूर्व प्रमुख फैज हमीद को सेना के कानूनों का उल्लंघन करने के आरोप में एक सैन्य अदालत ने 14 साल जेल की सजा सुनाई है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आईएसआई चीफ फैज हमीद को दी गई सजा महज 'शुरूआत' हो सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह दो साल पहले सेना विरोधी दंगों में शामिल राजनेताओं और कार्यकताओं के खिलाफ नए मामलों की बाढ़ आने का इशारा माना जा सकता है। फैज हमीद को गुरुवार को एक सैन्य अदालत ने 14 साल जेल की सजा सुनाई, जिसने उन्हें आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम का उल्लंघन करने और राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने सहित कई आरोपों में दोषी पाया।

'ये तो महज शुरूआत' :सांसद फैसल वावड़ा

पाकिस्तानी सांसद फैसल वावड़ा ने गुरुवार के फैसले की तारीफ करते हुए कहा कि यह तो सिर्फ शुरूआत है, क्योंकि 9 मई के दंगों से संबंधित आरोपों पर अभी फैसला होना बाकी है। जियो न्यूज से बात करते हुए फैसल ने चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को अपने संस्थान से गंदगी हटाने के लिए धन्यवाद दिया।

इमरान खान के करीबी थे फैज हमीद

इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सत्ता में रहने के दौरान हमीद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री के करीबी लोगों में जल्दी ही अपनी जगह बना ली थी। कुछ खबरों के अनुसार, वह इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी दोनों के काफी करीब हो गए थे।

आईएसपीआर ने खुलासा किया था कि फैज हमीद पर 9 मई, 2023 के दंगों में कथित संलिप्तता के लिए जांच चल रही थी, जिसके दौरान सैन्य भवनों और स्मारकों में तोड़फोड़ की गई थी।

नवाज शरीफ ने दी थी खुली धमकी

2020 में, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने सार्वजनिक रूप से हमीद और उनके पूर्व बॉस, जनरल कमर बाजवा पर तीन बार के प्रधानमंत्री को पद से हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। सबसे सीधा आरोप गुजरांवाला में एक रैली के दौरान लगाया गया था, जहां नवाज शरीफ ने कहा था कि जनरल फैज, यह सब आपके हाथों से हुआ है और आपको इसका जवाब देना होगा।

हमीद के खिलाफ अभी कार्रवाई बाकी है!

डॉन की एक रिपोर्ट के मुताबिक अदालत के बयान में कहा गया है, 'राजनीतिक तत्वों के साथ मिलीभगत करके निहित स्वार्थों से प्रेरित राजनीतिक आंदोलन और अस्थिरता फैलाने में दोषी की संलिप्तता और कुछ अन्य मामलों से अलग से निपटा जा रहा है।' रिपोर्ट के अनुसार इस भाषा से फैज हमीद और कुछ अज्ञात राजनेताओं को अशांति फैलाने के व्यापक प्रयास से जोड़ने का इशारा मिलता है। इसके अनुसार यह संदर्भ पिछले साल से जारी सैन्य बयानों की श्रृंखला में नवीनतम है, जो शक का संकेत देता है और सरकार विरोधी राजनीतिक तत्वों के साथ उनके कथित सांठगांठ की ओर इशारा करता है।

कोर्ट ने शिकागो इलाके में कार्रवाई में गिरफ्तार सैकड़ों प्रवासियों की रिहाई पर लगाई रोक

नई दिल्ली। शिकागो की एक फेडरल अपील कोर्ट ने गुरुवार को एक बंटे हुए फैसले में शिकागो इलाके में इमिग्रेशन कार्रवाई के दौरान हिरासत में लिए गए सैकड़ों प्रवासियों की तुरंत रिहाई पर रोक लगा दी। इस फैसले में एक कंसेंट डिक्री को बढ़ाने की भी इजाजत दी गई थी, जिसमें बताया गया था कि फेडरल इमिग्रेशन एजेंट बिना वारंट के गिरफ्तारी कैसे कर सकते हैं। 7वें वर सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स ने पिछले हफ्ते 2022 के उस एग्रीमेंट के बारे में दलीलें सुनीं, जो यह तय करता है कि वर इमिग्रेशन और कस्टम्स एनफोर्समेंट उन इमिग्रेंट्स को कैसे गिरफ्तार कर सकता है, जिन्हें किसी ऑपरेशन में खास तौर पर टारगेट किया गया हो। यह कंसेंट डिक्री ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के शिकागो इलाके में इमिग्रेशन कार्रवाई के बीच सुर्खियों में रही है, जिसके कारण 4,000 से ज्यादा गिरफ्तारियां हुई हैं।

गाजियाबाद नगर निगम
(I.S.O. 14001, 18001 एवं 19001 प्रमाणित संस्था)

पत्रांक–853/जलकल/2025–26 दिनांक–12.12.2025

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

गाजियाबाद नगर निगम, के जलकल विभाग द्वारा 15वें वित्त आयोग/अमृत योजना/अवस्थापना विकास निधि/इन्दिरापुरम योजना एवं निगम निधि की धनराशि से स्वीकृत विभिन्न कार्यो की अल्पकालीन पुनः ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा उ०प्र० प्रदेश उत्तर प्रदेश की ई–प्रिक्योरमैन्ट की वेबसाईट **http://etender.up.nic.in** से प्राप्त किये जा सकते है। शासनादेश संख्या–3890/नौ–5–19–149सा/2019 दिनांक 20.09.2019 के क्रम में निविदादाता को निविदा शुल्क धनराशि एवं निर्धारित धरोहर धनराशि निविदा सूची में कार्य के सम्मुख अंकित निविदा शुल्क (Non Refundable) एवं धरोहर राशि (Refundable) वेबसाईट **http://etender.up.nic.in** पर जमा कर उक्त की छायाप्रति मय यू०टी०आर० नम्बर साईट पर अल्पकालीन निविदा दिनांक 13.12.2025 से 22.12.2025 की अपरान्हः 2:00 बजे तक अपलोड करना आवश्यक होगा, जिन्हे तद्दिनांक की सांय 4:00 बजे खोला जायेगा। ऐसी निविदादाता/फर्म जो नगर निगम, गाजियाबाद में पंजीकृत है अथवा नही है, के लिये शासनादेश संख्या–3890/नौ–5–19–149सा/2019 दिनांक 20.09.2019 के आलोक में निविदादाता का चरित्र प्रमाण–पत्र, हैसियत प्रमाण–पत्र, समान कार्य का अनुभव प्रमाण–पत्र तथा जी०एस०टी० नम्बर वैबसाईट पर अपलोड करना आवश्यक होगा। विस्तृत निविदा सूचना एवं शर्ते वैबसाईट **http://etender.up.nic.in** पर देखी जा सकती है।

15वें वित्त आयोग/अमृत योजना/अवस्थापना विकास निधि/इन्दिरापुरम योजना एवं निगम निधि की तकनीकि बिड हेतु

15वें वित्त आयोग/अमृत योजना/अवस्थापना विकास निधि/इन्दिरापुरम योजना एवं निगम निधि की तकनीकि बिड हेतु नियत तिथि	दिनांक 13.12.2025 से दिनांक 22.12.2025 की अपरान्हः 2:00 बजे तक।

आमंत्रित निविदा की सर्व प्रथम तकनीकि बिड अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में निविदा समिति के समक्ष खोली जायेगी। तकनीकि बिड में अर्हता रखने वाले योग्य निविदादाताओं की वित्तीय बिड खोलने की सूचना पृथक से दी जायेगी। यदि निविदा तिथि को अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्यदिवस में खोली जायेगी।

महाप्रबन्धक (जल)
गाजियाबाद नगर निगम

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY

नगर आयुक्त ने रैन बसेरों का किया निरीक्षण

बोले–साफ-सफाई और व्यवस्थाएं सर्वोच्च प्राथमिकता

ठंड बढ़ने पर आश्रय स्थलों में अलाव, बिस्तर और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश

गाजियाबाद करंट क्राइम। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कवि नगर और सिटी जोन क्षेत्र के रैन बसेरों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने नसीरपुर फाटक और बस अड्डा स्थित रैन बसेरे में पेयजल, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था समेत सभी आवश्यक सुविधाओं की जांच की।

नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि प्रतिदिन सफाई और फॉगिंग कराई जाए और बढ़ती ठंड को देखते हुए बिस्तरों की संख्या बढ़ाई जाए। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद और प्रभारी उद्यान डॉ. अनुज मौजूद रहे।

नगर आयुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि रैन बसेरों की जानकारी जनता तक तेजी से पहुंचे, इसके लिए प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर सूचना बोर्ड लगाए जाएं। उन्होंने साफ कहा कि कोई भी निराश्रित खुले में न सोए, इसके लिए रात में गश्त और मॉनिटरिंग बढ़ाई जाए।

उन्होंने बताया कि रात के तापमान में तेजी से गिरावट को देखते हुए शहर में अलाव की व्यवस्था की गई है। नगर निगम के 22 आश्रय स्थल पूर्ण रूप से व्यवस्थित कर दिए गए हैं और आवश्यकता अनुसार संख्या बढ़ाने के साथ अस्थायी आश्रय स्थल भी तैयार किए जाएंगे। आश्रय मिलने वालों के पहचान पत्र की जांच कर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है।

गाजियाबाद नगर निगम ने ठंड से बचाव के लिए निराश्रितों और यात्रियों को हर सुविधा उपलब्ध कराई है– पेयजल, स्नानघर, बिस्तर, रसोई सामग्री और सुरक्षा गार्ड की तैनाती तक। बढ़ती ठंड में रैन बसेरे जरूरतमंदों को राहत का सहारा बन रहे हैं।

नगर आयुक्त का सख्त निर्देश

करंट क्राइम। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने टीम को साफ निर्देश दिए कि रैन बसेरों में सफाई, फॉगिंग, पानी, प्रकाश और बिस्तरों की उपलब्धता में किसी भी प्रकार की कमी न आने पाए। उन्होंने कहा कि ठंड के इस मौसम में शहर का कोई भी व्यक्ति खुले में रात बिताने को मजबूर न हो—यह निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

22 आश्रय स्थल पूरी तरह तैयार

करंट क्राइम। नगर निगम द्वारा 22 आश्रय स्थलों को पूरी तरह व्यवस्थित किया गया है, जहां पेयजल, स्नानघर, रसोई सामग्री, बिस्तर और सुरक्षा की व्यवस्था लगातार सुनिश्चित की जा रही है। ठंड बढ़ने पर नए अस्थायी आश्रय स्थल भी जोड़े जाएंगे और मुख्य स्थानों पर अलाव की व्यवस्था जारी रहेगी।

विधायक पंकज सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने पहुंचे संजीव गुप्ता

गाजियाबाद करंट क्राइम। नोएडा में विधायक पंकज सिंह को उनके कार्यालय पर समरकूल के चेयरमैन और भाजपा नेता संजीव गुप्ता ने मुलाकात कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान संजीव गुप्ता ने कहा कि वे विधायक को क्षेत्र में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हैं।

मुलाकात के दौरान दोनों के बीच क्षेत्र से जुड़े मुद्दों और आवश्यक कार्यों पर संक्षिप्त चर्चा भी हुई। संजीव गुप्ता ने बताया कि जन्मदिन के अवसर पर उन्होंने विधायक को बेहतर स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की है।

सोशल मीडिया पर युवती की फोटो से छेड़छाड़ कर वायरल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुरादनगर, करंट क्राइम : इंस्टाग्राम पर युवती की फोटो को एडिट कर उस पर अपमानजनक शब्द लिखकर वायरल करने वाले युवक को मुरादनगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान आदिल पुत्र जमील निवासी ग्राम ब्रज बिहारी, कस्बा व थाना मुरादनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि घटना से जुड़ी शिकायत 11 दिसंबर 2025 को थाना मुरादनगर में दर्ज कराई गई थी।

पीड़िता के अनुसार करीब दो वर्ष पूर्व, जब वह मात्र 16 वर्ष की थी, आरोपी ने अपना नाम अजय बताकर उससे दोस्ती की थी। इसी दौरान आरोपी ने उसे बहला-फुसलाकर उसकी कुछ फोटो खींची थीं। बाद में किसी बहाने से उसने अतिरिक्त फोटो भी ले लीं। जैसे ही पीड़िता को उसके वास्तविक नाम व पहचान का पता चला, उसने बातचीत बंद कर दी।

इसी रंजिश में आरोपी ने युवती की फोटो पर अभद्र व अपमानजनक टिप्पणियाँ लिखकर एक फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाई और इन फोटो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने धारा 354(क) आईपीसी, 7/8 पॉक्सो एक्ट और 67 आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की। 12 दिसंबर 2025 को पुलिस टीम ने आरोपी को मुरादनगर क्षेत्र से हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार करते हुए कहा कि पीड़िता द्वारा इंकार किए जाने के बाद उसने गुस्से में यह हरकत की।

पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ इसी प्रकरण में एक अभियोग दर्ज है, जबकि उसके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी भी एकत्र की जा रही है। पुलिस अब डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

विधायक नन्द किशोर गुर्जर का भू-माफियाओं पर सीधा वार

लोनी करंट क्राइम। जनता दर्शन के दौरान लगातार मिल रही ठगी और भू-माफिया से जुड़ी शिकायतों ने लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर को सख्त कार्रवाई के मूड में पहुँचा दिया। शुक्रवार को उन्होंने इलायचीपुर-रामपार्क मार्ग और चर्च कॉलोनी क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया, जहाँ कई पीड़ित भी उनके साथ मौजूद थे।

पीड़ितों का खुलासा :पैसा लिया, प्लॉट नहीं दिया, बाद में धमकियाँ भी मिलीं : एक महिला पीड़िता ने बताया कि कुछ डीलरों ने उन्हें प्लॉट दिखाकर बड़ी राशि ले ली, लेकिन बाद में न प्लॉट दिया गया और न ही रजिस्ट्री की गई। एक अन्य पीड़ित ने कहा कि उनसे 50 गज प्लॉट के नाम पर लाखों रुपये लिए गए, लेकिन पैसे मिलते ही डीलरों ने फोन उठाना बंद कर दिया और उल्टा डराने-धमकाने लगे। पीड़ितों ने शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई न होने की बात कही।

इसके बाद उन्होंने सबसे सख्त चेतावनी दी कि यदि पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो संबंधित अधिकारियों पर भी कार्यवाही होगी।

जरूरत पड़े तो ऐसे माफियाओं का एनकाउंटर भी विकल्प है। उन्होंने बताया कि देहरादून एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर अवैध कब्जों को हटाने के लिए राजस्व, पुलिस, नगरपालिका और जीडीए की संयुक्त टीम जल्द अभियान चलाएगी।

निरीक्षण से पहले, टीला थाना क्षेत्र स्थित भारत सिटी के पीछे ई-वेस्ट जलाने की घटना को लेकर विधायक ने तीखा रोष जताया। उन्होंने कहा कि यह गंभीर पर्यावरण अपराध है और संबंधित लोगों पर कठोरतम धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए।

जीरो टॉलरेंस, सख्त कार्रवाई से कम कुछ नहीं : नन्द किशोर गुर्जर

करंट क्राइम। निरीक्षण के दौरान विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने मौके पर ही पुलिस अधिकारियों को बुलाया और निर्देश दिया कि क्षेत्र में सक्रिय सभी ठग डीलरों और भू-माफियाओं पर कठोरतम धाराओं में मुकदमे दर्ज किए जाएं।

उन्होंने स्पष्ट कहा लोनी से अधिकांश भूमाफिया भाग चुके हैं। जो बचे हैं, वे अलग-अलग इलाकों में ऑफिस खोलकर ठगी कर रहे हैं। अब ये मेरे रडार पर हैं, किसी को नहीं छोड़ा जाएगा।

एमसीए छात्र वतन राणा की संदिग्ध मौत का राज खोलेगी क्राइम ब्रांच स्वाट की टीम

प्रेमिका और उसके साथी की भूमिका संदेह के घेरे में

गौरव शशि नारायण

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नंदग्राम थानाक्षेत्र में एमसीए छात्र वतन राणा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले ने पुलिस महकमे को झकझोर दिया है। इस मामले की जांच अब क्राइम ब्रांच गाजियाबाद स्वाट टीम कर रही है, जिन्हें प्रारंभिक जांच में आत्महत्या से अलग कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। पुलिस के विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, जल्द ही वतन की प्रेमिका व उसके एक करीबी मित्र को हिरासत में लेकर विस्तृत पूछताछ की जा सकती है।

अंतिम कॉल बनी जांच का सबसे बड़ा आधार : पुलिस अधिकारियों की जानकारी के अनुसार, वतन राणा ने घटना से पहले जो कॉल और चैट की थी, वह जांच का मुख्य आधार बनी हुई है। इन कॉल्स से सामने आई बातचीत और गतिविधियाँ पुलिस को नए निष्कर्षों तक लेकर जा रही हैं। अब पुलिस भी उन्हीं कड़ियों की जांच में जुटी, मृतक की बहन और पिता ने पुलिस को कई महत्वपूर्ण तथ्य और बयान दिए हैं, जिनके बाद जांच और तेज कर दी गई है। परिवार की मांग थी कि यह हत्या का मामला है, लेकिन नंदग्राम पुलिस ने शुरू में इसे गंभीरता से नहीं लिया। आरोप है कि न प्रारंभिक जांच ठीक से हुई और न ही आरोपियों से पूछताछ हुई। इस लापरवाही से नाराज परिजनों ने दो बार थाने के बाहर जाम और प्रदर्शन भी किया था।

जल्द हो सकता है बड़ा खुलासा: करंट क्राइम को मिली जानकारी के अनुसार, क्राइम ब्रांच और स्वाट टीम की जांच अंतिम चरण में है। डिजिटल साक्ष्यों और आरोपियों के संदिग्ध व्यवहार के मद्देनजर, गाजियाबाद पुलिस जल्द ही इस हाई-प्रोफाइल केस का खुलासा कर सकती है। बता दें की 26 नवंबर को एमसीए के छात्र वतन राणा की संदीप परिस्थितियों में मौत हुई थी।

डिजिटल सबूतों ने मोड़ा रुख, आत्महत्या से हत्या की ओर बढ़ी जांच

करंट क्राइम। क्राइम ब्रांच टीम को वतन राणा की डिजिटल डिवाइस, चैट, कॉल लॉग और अंतिम वीडियो कॉल से ऐसे साक्ष्य मिले हैं जिन्होंने मामले की दिशा बदल दी है। अधिकारियों के अनुसार, वतन की प्रेमिका और उसके दोस्त की कॉल डिटेल रिकॉर्ड ने कई राज खोल दिए हैं और आत्महत्या की कहानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिजनों का भी आरोप है कि जिस समय घटना हुई, वतन की प्रेमिका वहीं मौजूद थी, और कमरे का दरवाजा बाहर से बंद पाया गया था—जो हत्या की आशंका को और मजबूत करता है।

- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** नदियापार के एक भगवा मैम्बर ने मुश्किल किया हुआ है एक कमजोर आदमी का जीना? सुना है भुस की टाल वाले से ये वसूल रहे हैं दस हजार रूपये महीना? इनकी वसूली हो रही है इस वक्त कई जुबानों पर आम? कहने वाले कह रहे हैं जैसे कई चेहरे चम्बर वालों की तरह मजबूत चेहरों पर चाबुक चला रहे हैं? इस टाल वाले को छोड़कर ये भी कर लें कुछ ऐसा ही काम?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** नदियापार के एक भगवा कमिश्नर की पावर कम करने को लेकर बनने लगा है सीन? जानने वाले जानते हैं कि वो इन्हें पद से तो हटवा नहीं सकते? मगर इनका मामला कर सकते हैं एक से तीन? सुना है हस्ताक्षर का अंदरखाने चल रहा है आयाम? किसी त्यागी चेहरे को संयोजक बनाकर इनकी पावर सीज करने का बन चुका है पूरा प्रोग्राम?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** जो अभी तक मामले में दिखाई दे रही थी शीतलता? हम बता रहे हैं जल्द ही सुलगने वाली है फिर से आग? कुछ ऐसी रिपोर्ट निकालने वालों ने निकलवायी है ? जिससे फिर से लपटें उठेंगी साहब? कहने वाले ने कहा आने वाला है जांच में कोई बड़ा वाला ट्विस्ट? स्टोरी होने वाली है पूरी तरह से रिमिक्स? मिल गये हैं मिलने वाले को अब काफी सबूत? बस इंतजार अब पार्टी आला कमान का है? बताया जा रहा है कि सबूत हैं बहुत ही मजबूत?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** विधायक जी ने अपने समर्थकों में दे दिया है संदेश? कहा है ज्यादा टेंशन वेंशन मत लो? अपना ही उतरेगा चुनाव में फेस? वरिष्ठ ओबीसी चेहरे तो बहुत पहले ही रेस से हो गये हैं बाहर? पार्टी बिल्कुल भी नहीं करेगी इनके नाम पर विचार? हम लिखकर दे रहे हैं कि इनके नाम पर चुनावों में होगी ही नहीं चर्चा? अगर बात हमारी गलत निकले तो जो कहोगे, जहां कहोगे वहां उतना कर देंगे हम खर्चा?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** यूं तो मिस्टर चौहान पार्टी से हमेशा शिकायत करने से नहीं रहते थे चूक? मगर पार्टी ने इस बार इतना सम्मान बढ़ा दिया कि वो चुनाव से एक दिन पहले ही है लखनऊ में मौजूद? अब लगता है नहीं करेंगे वो खुद को लेकर पार्टी से कोई शिकायत? या फिर सीन बदलेगा? फिर कुछ मिलेगा या नहीं मिलेगा? नहीं मिलेगा तो ये फिर बोलेंगे कि पार्टी हमें समझती ही नहीं है इस लायक?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हम आपको बता रहे हैं अंदर की बात? जब नहीं चूकने वाले चौहान लखनऊ जाने का प्रोग्राम बना रहे थे? तब वो किसी को ले जाना चाहते थो स्कॉर्पियो में अपने साथ? मगर सुना है सामने से हो गयी पूरी तरह से ना? नहीं पता चली अभी तक इस ना की वजह? नहीं सामने आया है अभी तक किसको ले जाना था उसका नाम? अगर वो कहेंगे तो हम ये भी टटोल लेंगे? उनको पता है हमारा नेटवर्क कहां कहां तक फैला है श्रीमान?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हम थे एक विवाह कार्यक्रम में मौजूद? वहां पर बिग वर्मा ब्रदर के साथ नजर आ रहा था गागर में सागर भरने वालों का वजूद? किसी ने मौके पर उठा दी ये बात? नागर जी तो किंग ब्रदर के हैं बहुत ही खास? इन शब्दों को सुनकर आ गयी बिग वर्मा ब्रदर के चेहरे पर मुस्कान? उन्होंने कहा नागर जी हमारे फैमिली मैम्बर हैं? क्यों इन्हें इस तरह आप बांट रहे हो श्रीमान?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** इसमें कोई शक नहींकि विधायक संजीव शर्मा का बहुत ही सक्रिय है किरदार? मगर ये भी सच है इस वक्त उनके सिर पर आ गये हैं दो दो भार? एसआईआर को लेकर जहां हैं उनके पास प्रदेश सह संयोजक जैसी मजबूत जिम्मेदारी? वहीं उनकी विधानसभा में एसआईआर ने भी माहौल बनाया हुआ है भारी? सुना है कट रहे हैं उनके यहां पर बहुत सारे वोट? ऐसे में देखना अब ये है कि अपनी विधानसभा से कैसे वो निकालेंगे बड़ा संदेश? क्योंकि हम ऊपर पहले ही बता चुके हैं इस अभियान के सह संयोजक वाला भी है प्रदेश स्तर पर उनका फेस?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हम जब भी देखते हैं खादी वालों को? तो हमारे दिल में नहीं रहता है कोई भेद? हमारा दिमाग बार बार सवाल करता है कि राजनीति में अब क्या लेकर आयेंगे मिस्टर वेद? कौन डालेगा उनकी अब राजनीति पर प्रकाश? उनके परिवार और उन्होंने इतिहास से सींचा है पार्टी को साहब? मगर अभी तक उनको नहीं मिला है उतना बेस? पार्टी को तैयार करना चाहिए ऐसे कर्मठ चेहरों के लिए भी स्पेस?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** एमएलसी चुनाव के एक दावेदार ने अपनी तैयारियों पर लगा दिया है फिलहाल ब्रेक? उन्हें हो गया है महसूस कि प्रदेश स्तर पर होने जा रहा है परिवर्तन? जरूरी नहीं है कि होने वाला परिवर्तन चुने उनका फेस? इसलिए उन्होंने बहुत ही धीमी कर दी है अब अपनी रफ्तार? देखना अब ये है कि दो दिन में होनी है घोषणा? कितनी आयेगी इस चेहरे पर बहार?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

कौशांबी में धूमधाम से निकला हरे रामा हरे कृष्णा नगर कीर्तन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। कौशांबी के सेंट्रल पार्क में हरे रामा हरे कृष्णा मंडल ने नगर कीर्तन का आयोजन किया। सुबह की ठंडी हवा में 'हरे रामा, हरे कृष्णा' के जयकारों के साथ शुरू हुआ यह यात्रा राम चौक से होते हुए जयपुरिया स्थित मंदिर में समापन हुआ।

यात्रा में पप्पू चौपाल और क्षेत्र की कई महिलाएं सक्रिय रूप से शामिल रहीं, जो इस धार्मिक उत्सव को और भी रंगीन बना रही थीं। इस अवसर पर पूर्व पार्षद डॉ. मनोज गोयल *भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने मंडल के प्रयासों की सराहना की ।

यात्रा में भाग लेने वाले प्रमुख व्यक्तियों में राकेश जकेतिया, मनीष जैन, गौरव वर्मा, विनय महेश्वरी, पवन गुप्ता, राज शर्मा, नरेंद्र कमल गुप्ता, एस आर सिंह, मुदित मनीष मरोडिया, कमल ओबेरॉय, अवधेश कटिहार, अजय गुप्ता, गौरव वर्मा, एडवोकेट निकिता गुप्ता, ऋतु जैन, मंजू कपूर, रेनू मल्होत्रा, पूनम तिवारी, गोविंद, सुनीता, उमा मेहरा, नीरू वर्मा, कीर्ति चोपड़ा, एम एल खुराना, सरोज खुराना, सुमन चौधरी, निर्मला शास्त्री, मंजू बारोनिया आदि शामिल थे। भक्तियों के बीच 'हरे रामा, हरे कृष्णा' के मंत्रों की गूँज से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।

इस आयोजन ने न केवल धार्मिक भावना को उजागर किया, बल्कि स्थानीय समुदाय के बीच एकता और उत्साह का संचार भी किया।

वार्ड 41 झंडापुर के पार्षद भूपेंद्र उपाध्याय को पितृ शोक

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। झंडापुर वार्ड 41 के पार्षदभूपेंद्र उपाध्याय के पिता श्री द्वारीका प्रसाद का शुक्रवार को 4 बजकर 30 मिनट पर झंडपुर में निधन हो गया।

वह बीते कई दिनों से यह अस्वस्थ चल रहे थे। पार्षद झंडापुर गाव में रहते हैं। उनके पिता की मृत्यु होने पर उनका अंतिम संस्कार सुबह 10 बजे शनिवार 13 दिसंबर को हिंडन श्मशान घाट पर किया जायेगा। इस खुद की इस घड़ी में दैनिक करंट क्राइम परिवार की ओर से दुख की इस घड़ी में शोकाकुल परिवार के लिए ईश्वर से कामना करता है कि उनको इस दुख सहने की ताकत प्रदान करें।

इस मौके पर करंट क्राइम परिवार ने मौन रखते हुए शोक प्रकट किया।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।